हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 53 ● भिलाई, शनिवार 12 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

देश में बारिश की कमी बढ़कर 15 फीसदी तक होने की आशंका

नई दिल्ली। देश में इस मानसून मौसम के दौरान बारिश की कमी बढ़कर करीब 14 प्रतिशत हो गई है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि मानसून की विदाई तक यह कमी लगभग 15 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में सामान्य से कम बारिश होने के कारण जल उपलब्धता और कृषि क्षेत्र को लेकर चिंता बढ़ गई है। बारिश की कमी का असर कई राज्यों में खेती पर भी दिखाई दे रहा है। खासकर आंध्र प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई है। राज्यवार आंकड़ों के अनुसार आंध्र प्रदेश में बारिश की कमी सबसे अधिक करीब 44 प्रतिशत दर्ज की गई है। पंजाब में 39 प्रतिशत, राजस्थान में 25 प्रतिशत, गुजरात में 19 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 16 प्रतिशत और मध्य प्रदेश में सात प्रतिशत कम बारिश हुई है। दिल्ली में भी सामान्य से करीब 13 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। हालांकि आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश की स्थिति अलग रही है। रायलसीमा और तटीय आंध्र के कुछ इलाकों में सामान्य से करीब 42 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है।

गुजरात के गांधीनगर में निर्माणाधीन साइट पर स्लैब गिरने से बड़ा हादसा

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर के कुडासन इलाके में रात निर्माणाधीन इमारत का बड़ा धातु और कंक्रीट का स्लैब अचानक गिरने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे के दौरान निर्माण स्थल पर काम कर रहे 15 मजदूर मलबे में फंस गए। सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचा और अभियान चलाकर सभी मजदूरों को बाहर निकाला। इनमें से 12 मजदूरों को गांधीनगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि तीन मजदूरों को मामूली चोटें आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसा बुधवार रात करीब 9 बजे कुडासन इलाके में उस समय हुआ, जब निर्माण कार्य चल रहा था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, निर्माणाधीन ढांचे का एक बड़ा स्लैब अचानक टूटकर नीचे आ गिरा। इसके बाद मलबे में कई मजदूर फंस गए।

बिहार में निर्माणाधीन पुल का भारी लॉन्चर गिरा, 6 कर्मचारी घायल

वैशाली। बिहार के वैशाली जिले में निर्माणाधीन पुल पर बड़ा हादसा हो गया। लालगंज थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-139डब्ल्यू के चार लेन मार्ग पर बन रहे पुल का भारी प्रक्षेपण यंत्र अचानक नीचे गिर गया। हादसे के समय वहां काम कर रहे कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए। पुलिस के अनुसार, हादसे में सात मजदूर घायल हुए हैं, जबकि स्थानीय लोगों ने घायलों की संख्या इससे अधिक होने का दावा किया है। हादसे में घायल मजदूरों में से तीन को बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। हादसे के बाद बचाव अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा के अनुसार, एक मजदूर करीब डेढ़ घंटे तक भारी मशीन के नीचे दबा रहा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और सीएम विष्णुदेव साय ने 2 लाख परिवारों को कराया गृह प्रवेश

सक्ती में शिवराज सिंह चौहान ने की कृषि विज्ञान केंद्र खोलने घोषणा....

- विष्णुदेव कहें तो शिव कभी मना नहीं कर सकते', सक्ती को कृषि विज्ञान केंद्र और बस्तर को पीएम आवास सर्वे में बड़ी छूट की शिवराज सिंह चौहान ने दी सौगात
- छत्तीसगढ़ में प्रतिदिन पूर्ण हो रहे 1600 से अधिक पीएम आवास, भाजपा सरकार ने निभाया हर गरीब को पक्की छत देने का वादा- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के जेठा में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास का ऐतिहासिक संगम देखने को मिला। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 2 लाख नवनिर्मित आवासों में गरीब परिवारों को गृह प्रवेश कराया और हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चाबियां सौंपीं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने छत्तीसगढ़ को 3.65 लाख नए अतिरिक्त आवासों का बड़ा तोहफा दिया। साथ ही सक्ती में नया 'कृषि विज्ञान केंद्र' खोलने और बस्तर संभाग में छूटे हुए पात्र हितग्राहियों के लिए आवास सर्वे की समय-सीमा को 31 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाने का बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि विष्णुदेव (मुख्यमंत्री) कहें और शिव (केंद्रीय मंत्री) मना कर दें, यह संभव नहीं है। विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सक्ती धर्म, संस्कृति, प्रकृति और जन-ऊर्जा की पावन भूमि है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और स्थानीय सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े की मांग पर उन्होंने सक्ती में अत्याधुनिक कृषि विज्ञान केंद्र (चङ्कष्य) स्थापित करने की घोषणा की। इससे क्षेत्र के किसानों को उन्नत तकनीक, फसल विविधीकरण और वैज्ञानिक परामर्श का सीधा लाभ मिलेगा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गति तेज करने पर जोर देते हुए श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद को लगभग समाप्त कर दिया है। अब वहां बारूदी सुरंगों के बजाय विकास की धारा बह रही है। मुख्यमंत्री द्वारा बस्तर संभाग में छूटे हुए गरीबों के आवास सर्वे के लिए एक माह का समय मांगे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए इसे डेढ़ माह बढ़ाते हुए 31 अक्टूबर तक का समय दे दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गरीबों की सेवक है और किसी भी पात्र गरीब को पक्की छत से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह ने छत्तीसगढ़ में योजनाओं के क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन 1600 से अधिक पीएम आवास पूर्ण हो रहे हैं, जो अभूतपूर्व गति है। उन्होंने कहा कि भाजपा जो वादा करती है, उसे पूरी निष्ठा से निभाती है। पिछली सरकार के समय गरीबों के मकानों पर ग्रहण लग गया था और केंद्र से स्वीकृत होने के बावजूद मैचिंग ग्रांट न देकर गरीबों के आशियाने छीने गए। उस दौर में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव तक ने इस्तीफा देकर अपनी व्यथा जताई थी। लेकिन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शपथ लेते ही पहली कैबिनेट में 18 लाख आवासों की स्वीकृति देकर गरीबों का हक लौटाया। केंद्र और राज्य के साझा प्रयासों से पिछले ढाई वर्षों में 11.50 लाख से अधिक आवास पूरे किए जा चुके हैं। संबोधन के दौरान श्री चौहान ने कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ब्रिक्स जैसे वैश्विक मंचों पर भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं, तब कांग्रेस के नेता विदेश में बैठकर देश का विरोध करने में लगे हैं।

धान ही नहीं, अब फल-सब्जियों का भी कटोरा बना छत्तीसगढ़

श्री चौहान ने कहा कि रायपुर से सक्ती आते समय हेलीकॉप्टर से लहलहाती फसलें देखकर मन आनंदित हो गया। छत्तीसगढ़ अब सिर्फ धान का कटोरा नहीं रहा, बल्कि यह सब्जियों, फलों और फूलों का भी कटोरा बन रहा है। स्व-सहायता समूह की बहनों द्वारा अलसी के डंठल से बनाई गई जैकेट, कोसा और मलबरी उत्पादों की प्रदर्शनी देखकर उन्होंने ग्रामीण बहनों के हुनर को नमन किया। उन्होंने कहा कि जिस रफ्तार से छत्तीसगढ़ में विकास कार्य चल रहे हैं, बहुत जल्द यह देश का नंबर एक राज्य बनेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जनकल्याणकारी विजन का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, 4 करोड़ से अधिक पक्के मकान, हर घर शौचालय, नल से जल और 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का महाअभियान चलाने वाले मोदी जी भारत के लिए भगवान का वरदान हैं। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि आगामी 17 सितंबर को प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन के अवसर पर सभी लाभार्थी और नागरिक शाम 7 बजे अपने घरों में दीपक जलाकर उनके स्वस्थ, सुदीर्घ जीवन और देश की प्रगति के लिए आशीर्वाद दें।

गरीब का पक्का घर सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश की तीन करोड़ जनता की ओर से केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त करता हूं, जिनके हर प्रवास से छत्तीसगढ़ को विकास की बड़ी सौगातें मिलती हैं। पहली ही कैबिनेट में 18 लाख आवास स्वीकृत करना हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण था। उन्होंने बताया कि प्रदेश में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और 'बिहान' के माध्यम से अब तक 13 लाख 85 हजार बहनें 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। वहीं महतारी वंदन योजना के जरिए 70 लाख बहनों के खातों में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत मुख्यमंत्री आवास योजना के एआई-आधारित जियो-टैग सत्यापन का शुभारंभ किया गया। साथ ही विकसित भारत-जी राम जी के अंतर्गत 'घर अपार' और 'सुघ्घर बाड़ी' अभियान, 270 नवीन इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टरों का विमोचन तथा इन्क्यूबेशन प्रोग्राम 'अथ उद्यमिता की ओर' का शुभारंभ हुआ। उत्कृष्ट कार्य करने वाली लखपति दीदियों और श्रेष्ठ पंचायतों को सम्मानित किया गया। समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री श्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, प्रभारी मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती द्रौपती कीर्तन चंद्रा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ब्रिक्स समिट का आयोजन

भारत दे रहा ग्रोथ का भरोसा ब्रिक्स देशों में दुनिया की आधी आबादी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ब्रिक्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच लंबी बातचीत हुई। इस बैठक के बाद दोनों नेताओं ने बयान जारी किए। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की आधी आबादी है। इन वर्षों में जहां ग्लोबल जीडीपी करीब ढाई गुना हुई है, वहीं ब्रिक्स देशों की कम्बाइंड जीडीपी साढ़े चार गुना हुई। यानी कि ब्रिक्स की इकोनॉमी दो गुना रफ्तार से बढ़ी है। वैश्विक अनिश्चितिताओं के बीच भी भारत ग्रोथ का भरोसा दे रहा है। हम एयरपोर्ट, रेलवे आदि का तेजी से विकास कर रहे हैं। साथ ही, सेमीकंडक्टर, बायोटेक आदि क्षेत्रा में में नई क्षमता विस्तार कर रहे हैं। आज भारत में स्टार्टअप रिवॉल्यूशन हो रहा है। दो लाख से अधिक स्टार्टअप और 120 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। बिजनेस फोरम के लीडर्स सेशन में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, जैसे ही ब्रिक्स अपने तीसरे दशक में जा रहा है, मैं ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल से कहना चाहूंगा कि क्या आप ब्रिक्स देशों के बीच टॉप दस ट्रेड बैरियर हटाने पर एक रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं? क्या हम हर साल 100 ब्रिक्स स्टार्टअप्स को दूसरे ब्रिक्स मार्केट में आगे बढ़ने में मदद कर सकते हैं? क्या हम अपने बिजनेस के बीच एक हजार नई पार्टनरशिप बना सकते हैं? हमें हर साल इन तीन पैरामीटर पर अपनी प्रोग्रेस का रिव्यू करना चाहिए। आइए ब्रिक्स के एम्बिशन को एक्शन में और अपनी कलेक्टिव स्ट्रेंथ को ग्लोबल सॉल्यूशन में बदलें।

समरकंद में राघव चड्ढा ने उठाया महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों का मुद्दा, बोले-सिर्फ वोट नहीं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित 12वें इंटर-पार्लियामेंटरी यूनियन आईपीयू सम्मेलन में भारत की ओर से महिलाओं के राजनीतिक अधिकारों और राजनीतिक भागीदारी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। सम्मेलन के एक सत्र में उन्होंने महिलाओं के राजनीतिक अधिकार सुनिश्चित करना विषय पर भारत का पक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने कहा कि महिलाओं को केवल चुनाव में मतदान करने तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें निर्णय लेने और शासन चलाने की वास्तविक शक्ति भी मिलनी चाहिए।

अब टोल प्लाजा पर नहीं रुकेगी गाड़ी!

फरवरी से देश में लागू होगा बैरियर फ्री सिस्टम-मंत्री नितिन गडकरी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश में राष्ट्रीय राजमार्गों (नेशनल हाईवे) पर सफर करने वाले वाहन चालकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत में आने वाले फरवरी महीने से बैरियर-फ्री टोल सिस्टम की शुरुआत होने जा रही है। इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद वाहनों को टोल प्लाजा पर टोल टैक्स चुकाने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा। 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026' में अपने संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार अब फास्टैग को ऑटोमैटिक नंबर-प्लेट रिकग्निशन तकनीक के साथ जोड़ने की दिशा में काम कर रही है। सरकार का उद्देश्य टोल कलेक्शन को पूरी तरह से आधुनिक और तकनीक-आधारित बनाना है। नितिन गडकरी ने बताया कि प्रस्तावित नए सिस्टम में फास्टैग डेटा और गाड़ी की नंबर प्लेट, दोनों का एक साथ इस्तेमाल किया जाएगा। इससे टोल वाले रास्तों पर वाहनों की पहचान और ट्रैकिंग बेहद सटीक हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम एक ऐसा आधुनिक टोल सिस्टम लागू करने जा रहे हैं, जिसमें नंबर प्लेट और फास्टैग दोनों तकनीक का इस्तेमाल होगा। इस नई व्यवस्था से सरकार की टोल आय में सालाना 10,000 करोड़ रुपए की महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। टोल व्यवस्था में आए बदलावों का जिक्र करते हुए गडकरी ने कहा कि 2016 में फास्टैग की शुरुआत टोल पेमेंट को आधुनिक बनाने और यात्रियों के अनुभव को बेहतर करने के लिए की गई थी।

नागपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

खड़े ट्रक से टकराई बोलेरो,कवर्धा और खैरागढ़ जिले के 9 लोगों की मौत

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ से नागपुर से जा रहे लोगों से भरी बोलेरा हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे में 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, हादसा महाराष्ट्र के भंडारा के पास हुआ है। मरने वालों में 6 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल के लिए भेजा गया। मरने वालों में 6 लोग कवर्धा जिल के और तीन खैरागढ़ जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, हादसा भंडारा जिले के पिंपलगांव के पास रायपुर-नागपुर हाईवे पर हुआ। बोलेरो गाड़ी खड़े ट्रक पर पीछे से जा टकराई। बताया जा रहा है कि, बोलेरो में महिलाओं और बच्चों को मिलाकर 16 से 17 लोग सवार थे। इन सभी के छत्तीसगढ़ से तीज मनाने के लिए नागपुर जाने की जानकारी मिली है। हादसा इतना भयानक था कि, टक्कर के बाद घटनास्थल पर चीख- पुकार मच गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची, पुलिस ने स्थानीय नागरिकों और राहगीरों की मदद से घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी घायलों को अस्पताल भेजा गया। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, 8 लोगों की हादसे के वक्त ही मौत हो गई थी। शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं, इलाज के लिए नागपुर ले जाई जा रही एक महिला ने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतकों में चार लोग एक ही परिवार के सदस्य थे, जबकि अन्य की पहचान की जा रही है। मरने वाले बच्चों की उम्र 5 साल से कम थी। वहीं, गाड़ी चालक समेत अन्य कई लोग घायल हैं। ड्राइवर और 3 बच्चों को भंडारा मेडिकल कॉलेज व अन्य घायलों को नागपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ट्वीट कर कहा कि महाराष्ट्र के भंडारा जिले में नागपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में छत्तीसगढ़ के कई नागरिकों, जिनमें छोटे बच्चे भी शामिल हैं, के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक है। दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। शोक की इस कठिन घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। ईश्वर शोकसंतप्त परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। दुर्घटना में घायल नागरिकों के समुचित उपचार एवं प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ से अधिकारियों की एक टीम घटनास्थल के लिए भेज दी गई है। महाराष्ट्र सरकार एवं स्थानीय प्रशासन से भी निरंतर समन्वय किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में सड़क हादसों का कहर, मासूम समेत तीन की मौत

धमतरी/कोरबा. छत्तीसगढ़ में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. धमतरी और कोरबा जिले में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई. इन हादसों में 3 साल की मासूम बच्ची भी शामिल है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं. धमतरी जिले से चार अलग-अलग सड़क हादसों की घटनाएं सामने आई हैं. इन हादसों में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं. पहला हादसा अवरी निवासी राजू यादव के साथ हुआ. वे किराने का सामान खरीदने भखारा गए थे. वापस लौटते समय ग्राम सिरवे घुरैना के बीच किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में राजू यादव की मौके पर ही मौत हो गई.

जल संरक्षण में ग्राम पंचायत केशतरा की अनूठी पहल, 212 घरों में बने सोख्ता गड्ढे सरपंच लक्ष्मी शर्मा के प्रयासों को मिला जिला स्तरीय सम्मान

बेमेतरा। जल संरक्षण की दिशा में ग्राम पंचायत केशतरा ने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। बेमेतरा विकासखंड की ग्राम पंचायत केशतरा की सरपंच लक्ष्मी शर्मा के सतत प्रयासों और ग्रामवासियों की सहभागिता से पंचायत के 212 आवासों का सर्वेक्षण कर सभी 212 हितग्राहियों के घरों में सोख्ता गड्ढों का निर्माण पूर्ण किया गया है। ग्रामीण स्तर पर जल संरक्षण की इस पहल को अब जिले में एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। सरपंच लक्ष्मी शर्मा ने जल संरक्षण को केवल शासकीय अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे जनभागीदारी का अभियान बनाने का प्रयास किया। उन्होंने लगातार ग्रामवासियों से संपर्क कर उन्हें अपने घरों से निकलने वाले पानी को घर के परिसर में ही रोकने तथा भूजल संवर्धन के महत्व के बारे में जागरूक किया।

ग्रामीणों को प्रेरित करते हुए उनको संदेश रहा

'जल है तो कल है, कल है तो भविष्य है और भविष्य है तो आने वाली पीढ़ी है। छत्तीसगढ़ शासन एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल संरक्षण संबंधी संदेश को धरातल पर साकार करने के उद्देश्य से किए गए इन प्रयासों का परिणाम यह रहा कि पंचायत के सभी संबंधित 212 आवासों में सोख्ता गड्ढों का निर्माण पूर्ण हो गया। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति , जनजागरूकता और सामुदायिक सहभागिता से शासकीय योजनाओं को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा जा सकता है।

अधिकारियों ने किया सोख्ता गड्ढों का अवलोकन

जल संरक्षण अभियान के दौरान मनरेगा प्रभारी कराड़ा, पी.ओ. का सरपंच को निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अभियान के सफल क्रियान्वयन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चन्दनू के व्याख्याता किशोरी लाल शर्मा का सहयोग भी उल्लेखनीय रहा। हाल ही में जनपद पंचायत बेमेतरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्राम पंचायत केशतरा का दौरा कर विभिन्न स्थानों पर निर्मित सोख्ता गड्ढों का अवलोकन किया। उन्होंने सरपंच लक्ष्मी शर्मा के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे जल संरक्षण के क्षेत्र में जिले के लिए अनुकरणीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि शासन के महत्वपूर्ण जल संरक्षण अभियान को प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करने में सरपंच द्वारा किए गए निरंतर प्रयास, ग्रामीणों से संवाद और जनजागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में मिला 'उत्कृष्ट सरपंच' का सम्मान

ग्राम पंचायत केशतरा में जल संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्य का जिला प्रशासन द्वारा भी संज्ञान लिया गया। ग्राम जेवरा में आयोजित जिला स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम में सरपंच लक्ष्मी शर्मा को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए 'उत्कृष्ट सरपंच' के सम्मान से नवाजा गया। कार्य म में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं खाद्य, नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण मंत्री माननीय दयाल दास बघेल के करकमलों से लक्ष्मी शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर उनके प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। कार्यक्रम में जिले के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन से अभियान को मिली गति

इस अभियान को सफल बनाने में समय-समय पर जनपद पंचायत बेमेतरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला प्रशासन तथा छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री दयाल दास बघेल द्वारा दिए गए मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। ग्राम पंचायत केशतरा की यह पहल इस बात का उदाहरण है कि जब जनप्रतिनिधि नेतृत्व करें, ग्रामीण सहभागी बनें और प्रशासन सहयोग करे, तो जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण अभियानों को व्यापक सफलता दिलाई जा सकती है। 212 घरों में निर्मित सोख्ता गड्ढे केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि भविष्य के जल संकट से निपटने की दिशा में ग्राम पंचायत केशतरा का सामूहिक संकल्प हैं। सरपंच लक्ष्मी शर्मा का यह प्रयास निश्चित रूप से अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन सकता है।

गायत्री शक्तिपीठ में 40 दिवसीय महामंत्र जप अनुष्ठान भावपूर्ण पूर्णाहुति

सरायपाली। गायत्री शक्ति पीठ में श्रद्धा, साधना और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण वातावरण में 40 दिवसीय गायत्री महामंत्र जप अनुष्ठान की भावपूर्ण पूर्णाहुति 5 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ सम्पन्न हुई। अनुष्ठान में सरायपाली क्षेत्र के 92 गायत्री परिवार के भाई-बहनों ने सहभागी बनकर कुल 1 करोड़ 5 लाख 80 हजार गायत्री महामंत्र जप का संकल्प पूर्ण किया। यह 40 दिवसीय साधना केवल मंत्र जप तक सीमित नहीं रही, बल्कि आत्मसंयम, अनुशासन, साधना और आत्मशुद्धि का प्रेरणादायी आध्यात्मिक अभियान बनी। सभी साधकों ने पूरे 40 दिनों तक प्रतिदिन 30 मिनट ध्यान तथा 30 माला गायत्री महामंत्र का जप करते हुए नियमित साधना की। सरायपाली क्षेत्र के अखिल विश्व गायत्री परिवार के सदस्यों एवं साधकों द्वारा आयोजित यह 40 दिवसीय जप अनुष्ठान लगातार 20वें वर्ष आयोजित किया गया।अनुष्ठान के दौरान साधकों ने अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न प्रकार के संयम का पालन किया। कुछ साधकों ने बिना नमक का भोजन ग्रहण किया, तो कुछ ने शक्कर एवं मीठे पदार्थों का त्याग किया। वहीं अनेक साधकों ने एक समय भोजन करते हुए अपनी साधना को पूर्ण किया। तप, त्याग और अनुशासन के साथ की गई इस साधना से साधकों में आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।जप पूर्णाहुति के अवसर पर साधकों ने 108 गायत्री महामंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियां यज्ञ में अर्पित कीं। इस 40 दिवसीय संकल्प साधना को परम वंदनीया भगवती देवी शर्मा जी तथा अखंड दीप के शताब्दी समारोह को समर्पित किया गया। पूर्णाहुति के अवसर पर साधकों ने परम पूज्य गुरुदेव एवं मां गायत्री के चरणों में श्रद्धा अर्पित करते हुए प्रार्थना की कि साधना से प्राप्त आध्यात्मिक ऊर्जा का उपयोग समाज एवं राष्ट्र के कल्याण में हो। साधकों ने मां गायत्री से जीवन में शांति, सद्बुद्धि, आत्मबल, संयम एवं सकारात्मक चिंतन के विकास की कामना की। गायत्री परिवार का मूल उद्देश्य केवल व्यक्तिगत आध्यात्मिक उन्नति नहीं, बल्कि व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण और समाज निर्माण के माध्यम से श्रेष्ठ एवं संस्कारवान समाज की स्थापना करना है।

इसी भावना के साथ 40 दिवसीय अनुष्ठान को पूर्ण किया गया। इस अवसर पर साधकों ने संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में सदाचार, सेवा, संयम, संस्कार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को और अधिक मजबूती से अपनाएंगे तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

धान के कटोरा को पृथक पहचान देती है हमारी सभ्यता, संस्कृति, मान्यता : विजय मोटवानी

धमतरी। कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ के खेती किसानी तथा कृषकों से जुड़ा हुआ अपनी मिट्टी धरती माता तथा अन्नपूर्णा माता के प्रति आस्था एवं श्रद्धा के समर्पण का खुशहाली एवं समृद्धि का महापर्व पोला की बधाई एवं शुभकामनाएं नगर निगम के लोक निर्माण विभाग के प्रभारी तथा आमापारा वार्ड के पार्षद विजय मोटवानी द्वारा देते हुए कहा है कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना की दिशा का सशक्त आधार स्तंभ है। पोला हमारी सभ्यता, संस्कृति एवं मान्यताओं से जुड़ा हुआ पर्व है, जो की पुरातन काल से किसान खेती किसानी के लिए उपयोग किए जाने के परंपरागत सामग्रियां जिसमें नागर, कोपर, दतारी, रापा, कुदाली सहित अन्य आवश्यक औजारों को साफ सफाई कर पूजा अर्चना करते हुए सहेज कर रखते हैं। साथ ही इस दिवस ग्राम के सभी देवी देवताओं की पूजा अर्चना करते हुए समाज के साथ ही साथ सभी की खुशहाली एवं समृद्धि की प्रार्थना अच्छे फसल के होने के साथ किया जाता है।

पोला पर्व पर महापौर रामू रोहरा ने क्षेत्रवासियों को दी शुभकामनाएं

धमतरी। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा और संस्कृति से जुड़े पोला पर्व के अवसर पर नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर रामू रोहरा ने शहर एवं क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। महापौर रोहरा ने कहा कि पोला पर्व हमारी कृषि संस्कृति, परंपरा और किसानों के जीवन से गहराई से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व अन्नदाता किसानों और कृषि कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बैलों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और परंपराएं हमारी पहचान हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। महापौर ने भगवान से प्रार्थना करते हुए कहा कि पोला पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। किसानों के खेतों में अच्छी फसल हो और उनका जीवन सदैव खुशहाल रहे। उन्होंने क्षेत्रवासियों से पर्व को आपसी भाईचारे, उत्साह और सौहार्द के साथ मनाने की अपील करते हुए पुनः पोला पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण भाजपा कार्यकर्ता की पहचान : रामू रोहरा

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी आमदी मंडल द्वारा ग्राम खरतुली स्थित साहू समाज भवन में सेवा संकल्प अभियान कार्यशाला एवं मंडल मासिक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता धमतरी नगर निगम के महापौर रामू रोहरा रहे। कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा एवं समर्पण को समर्पित आगामी सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने को लेकर संगठनात्मक रणनीति पर मंथन किया गया। कार्यशाला में बताया गया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेंगे तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जन.जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि भाजपा की राजनीति का मूल आधार सेवाए संगठन और राष्ट्रहित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा और समर्पण की प्रेरणादायी यात्रा है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से कार्यकर्ता उनके सेवा भाव को जन-जन तक पहुंचाएं और समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की ताकत है। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना और जनता के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को व्यापक जनभागीदारी का रूप देने का आह्वान किया। मंडल मासिक बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, बूथ स्तर की गतिविधियों एवं जनसेवा से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में जितेंद्र कुमार पटेल जिला महामंत्री ओबीसी मोर्चा, श्यामा साहू मंडल सहप्रभारी, ज्योति साहू अध्यक्ष नगर पंचायत, हेमंत माला पूर्व अध्यक्ष, अनिल तिवारी महामंत्री, कोमल देवांगन महामंत्री आमदी मंडल, धनेश्वरी साहू जिला पंचायत सदस्य, अग्रवाल साहू सभापति, उमानंद कुंभकार सभापति, श्यामा साहू पार्षद, त्रिभुवन मटियारा पार्षद, नारायण मटियारा पार्षद, कार्यकर्ता हीरा साहू, रोहित साहू, ओमेश यादव जिला महामंत्री भाजयुमो, मंडल अध्यक्ष देवेश साहू, महामंत्री योगेश साहू, जितेंद्र पटेल, घासी सिन्हा, जागेश्वर साहू, व्यास नारायण साहू, टम्मन मरकाम एवं किरण साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सेवा संकल्प अभियान की तैयारी हेतु ली समीक्षा बैठक

बलौदाबाजार। जिले के प्रभारी एवं स्वस्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिला प्रवास के दौरान स्थानीय सर्किट हाउस बलौदाबाजार मे सेवा संकल्प अभियान की तैयारी को लेकर नोडल अधिकारों की बैठक ली। उन्होंने 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान को अति महत्वपूर्ण बताते हुए सभी कार्यक्रमो के बेहतर आयोजन और अधिक से अधिक जनसहभागिता हेतु आवश्यक निर्देश एवं मार्गदर्शन दिये। बैठक मे राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, कलेक्टर कुलदीप शर्मा, एसपी गौरव राय उपस्थित थे। मंत्री जायसवाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षो के जन सेवा, 2047 तक विकसित भारत के सामूहिक संकल्प, समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा, सहयोग और जनकल्याण की भावना पहुंचाना है।अभियान के दौरान सभी कार्यक्रम आयोजन की तिथिवार रूप रेखा तैयार करने, रूट चार्ट, सुरक्षा, जनसहभागिता को विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने विभागों को सौंपी गई जिम्मेदारियों की बेहतर निर्वाहन करते हुए अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि यह अभियान हमारे लिये अत्यंत गौरवशाली है जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा को जन जन तक पहुंचाने और लोगों मे सामूहिक सेवा की भावना जगाना है। उन्होंने कहा कि जिले मे सभी कार्यक्रम का बेहतर आयोजन हो यह सबकी जिम्मेदारी हैं। सभी के समन्वित कार्य से आयोजन को सफल बनाना हैं। उन्होंने कहा कि अभियान अंतर्गत आशीर्वाद का दिया, सपनो का भारत, आंगन उत्सव, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, सेवा मेरा योगदान सहित 12 कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। बैठक मे पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, डॉ सनम जांगड़े,जिला अध्यक्ष आनंद यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष ने ली उद्यानिकी विभाग की समीक्षा बैठक

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष राजेन्द्र नायक ने संयुक्त जिला कार्यालय सभागार में कृषकों एवं विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। अध्यक्ष ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि छोटे रकबे वाले किसानों को उद्यानिकी योजनाओं से लाभान्वित किया जाए जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने विभागीय योजनाओं की जानकारी किसनो को देने हेतु विकासखंड स्तर पर पर्याप्त प्रचार-प्रसार हेतु निर्देशित किया। उन्होंने पटेल समाज एवं अन्य उद्यानिकी कृषकों से विस्तृत चर्चा की। उद्यान विकास अधिकारी ने विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विभागीय अनुदान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उद्यानिकी कृषक धनेश्वर निषाद ने बताया कि आधा एकड़ में मूली की खेती कर 2 से 2.50 लाख लाभ प्राप्त हुआ तथा कृषक चुलेश्वर पटेल ने बताया कि आधुनिक तकनीक ड्रीप प्रतिस्थापन कर अदरक की खेती से प्रति हेक्टेयर 8 टन उत्पादन लिया गया है एवं अन्य कृषकों के द्वारा ग्राफ्टेड बैगन, टमाटर मिर्च, भिण्डी की खेती से प्राप्त लाभ से अवगत कराया गया।

कसडोल के ऋतुराज साहू को पीएच.डी. की उपाधि

कसडोल। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा कला संकाय के अंतर्गत भाषाविज्ञान विषय में शोधकार्य के लिए नगर पंचायत कसडोल, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा निवासी ऋतुराज साहू, पिता राजकुमार साहू, को पीएच.डी. (विद्या वाचस्पति) की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने डॉ. परदेशीराम वर्मा के उपन्यासों का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन (छत्तीसगढ़ी भाषा के विशेष संदर्भ में) विषय पर अपना शोधकार्य पूर्ण किया। उनका शोधकार्य डॉ. गिरजा शंकर गौतम के निर्देशन में संपन्न हुआ। ऋतुराज साहू ने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से विश्वविद्यालय फेलोशिप प्राप्त की है। उन्होंने एम.फिल. (भाषाविज्ञान) में गोल्ड मेडल प्राप्त करने के साथ ही एम.ए. छत्तीसगढ़ी की प्रथम बैच में द्वितीय टॉपर रहने का गौरव भी हासिल किया है। साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में भी ऋतुराज साहू निरंतर सक्रिय हैं। उनकी 'हमर संस्कृति' तथा 'घरम के गढ़ छत्तीसगढ़' जैसी पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके अलावा वे विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में लगातार लेखन करते रहे हैं।शासन की पत्रिका बिहनिया से लेकर राष्ट्रीय पत्रिकाओं में भी उनका लेख प्रकाशन हो चुका है इसके आलवा कुशल वक्ता, विभिन्न टीवी चैनलों में प्रवक्ता के रूप में लगातार सक्रिय है. छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग में छत्तीसगढ़ी प्रसिक्छ के रूप में भी कार्य कर चुके है. विभिन्न संस्थाओ में छत्तीसगढ़ी से जुड़कर लगातार कार्य कर रहे है। ऋतुराज साहू लगातार यहां की राजभाषा, सम्पर्क भाषा और प्रदेश की ढ़ाई करोड़ लोगो की मातृभाषा छत्तीसगढ़ी को उसका वास्तविक हक दिलाने वर्ष 2013 से संघर्षरत है। लगातार प्रशासन -शासन स्तर पर काम करके छत्तीसगढ़ी भाषा को स्कूली पाठ्यक्रम में अनिवार्य रूप से लागु करने, राजभाषा छत्तीसगढ़ी में सरकारी काम काज हो साथ ही आठवीं अनुसूची में छत्तीसगढ़ी को शामिल कराने हेतु प्रयासरत है। ऋतुराज साहू की इस उपलब्धि पर माँ-पापा, मौसा-मौसी, पत्नी, बच्चे, परिजनों, गुरुजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी हैं।

कीटनाशक विक्रय केन्द्रों में अनियमितता पर लाइसेंस निलंबन, निरस्तीकरण की कार्रवाई

धमतरी। जिले में खरीफ सीजन के दौरान धान की फसल में कीट-व्याधियों के प्रकोप को देखते हुए कीटनाशकों की मांग एवं बिक्री में वृद्धि हुई है। किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशक निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने तथा कीटनाशक विक्रय में किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा जिले के कीटनाशक विक्रय केन्द्रों का सतत निरीक्षण एवं जांच किया जा रहा है। कीटनाशक निरीक्षकों द्वारा विक्रय केन्द्रों में दस्तावेजों, मूल्य सूची, स्टॉक, भंडारण व्यवस्था एवं अन्य निर्धारित मापदण्डों की जांच की जा रही है। इसी क्रम में अनुविभागीय कृषि अधिकारी धमतरी एवं नोडल अधिकारी कीटनाशी गुण नियंत्रण, जिला धमतरी की अनुशंसा पर भटगांव स्थित मेसर्स गौरव कृषि केन्द्र एवं मेसर्स साहू कृषि केन्द्र के कीटनाशक विक्रय लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक निलंबित किया गया है। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों में आवश्यक दस्तावेजों का समुचित संधारण नहीं किया जाना तथा निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप मूल्य सूची उपलब्ध एवं स्टॉक का प्रदर्शन नहीं किया जाना पाया गया। इसी प्रकार मेसर्स गायत्री कृषि केन्द्र, भटगांव द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप कीटनाशक व्यवसाय का संचालन नहीं किए जाने के कारण संबंधित कीटनाशक विक्रय लाइसेंस को निरस्त कर दिया गया है। लाइसेंस निरस्त होने के बाद संबंधित प्रतिष्ठान द्वारा कीटनाशकों का व्यवसाय नहीं किया जा सकेगा। कृषि विभाग द्वारा जिले में निरीक्षण की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में मेसर्स अंकित ट्रेडर्स धमतरी, राधा ट्रेडर्स धमतरी, शिव धारा कृषि केन्द्र धमतरी, सद्गुरू कृषि केन्द्र देमार, दिवाकर कृषि केन्द्र देमार, धारणा कृषि केन्द्र बागतराई, गगन कृषि केन्द्र खम्हरिया, तेजल कृषि केन्द्र दानीटोला, साहू कृषि केन्द्र कलारतराई एवं प्रियांशु कृषि केन्द्र सेमरा बी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स अंकित ट्रेडर्स, धमतरी में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कीटनाशक विक्रय पर प्रतिबंध की कार्रवाई की गई है। विभाग द्वारा बताया गया कि कारण बताओ नोटिस का जवाब प्राप्त होने के बाद उपलब्ध तथ्यों एवं नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए सतत निगरानी कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में कीटनाशकों की बिक्री एवं वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

विधिक जागरूकता एवं साक्षरता अभियान का आयोजन

बलौदाबाजार। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनीता बानंर के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव आलोक पाण्डेय के मार्गदर्शन मे मंगलवार को ''विश्व साक्षरता दिवस'' के अवसर पर एक विशेष विधिक जागरूकता एवं साक्षरता अभियान का आयोजन पैरा लीगल वालंटियर के द्वारा किया गया। इस अभियान के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त पैरालीगल वालंटियर्स द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों, सरकारी स्कूलों तथा सार्वजनिक स्थानों पर जाकर आम नागरिकों और छात्र-छात्राओं को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान पैरालीगल वॉलिंटियर्स सदस्यों ने शिक्षा के अधिकार तथा शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न शैक्षणिक कल्याणकारी योजना की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही, समाज में साक्षरता के स्तर को बढ़वा देने और कानूनी अधिकारों को बुनियादी समझ विकसित करने के उद्देश्य से लोगों को प्रेरित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव आलोक पाण्डेय ने साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा की अलख जगाना है, क्योंकि साक्षरता केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं, बल्कि मानव विकास, गरिमा और अधिकारों की पहचान का सशक्त माध्यम है। शिक्षा के बिना एक सभ्य और न्यायप्रिय समाज की कल्पना अधूरी है।

कलेक्टर ने ली एकलव्य विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक

बलौदाबाजार। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सोनाखान के शाला प्रबंधन समिति की बैठक कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता मे संपन्न हुई। कलेक्टर शर्मा ने विद्यालय की विगत वर्ष की परीक्षा परिणाम, स्कूल की शिक्षण व्यवस्था एवं छात्रावास मे व्यवस्थाओं को लेकर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए रिजल्ट मे सुधार और व्यवस्थाएं ठीक करने के निर्देश प्राचार्य को दिये। कलेक्टर शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिये कि स्कूल की सम्पूर्ण प्रबंधन की जिमेदारी प्राचार्य की है। शिक्षको मे आपसी समन्वय से लेकर छात्रों की पढ़ाई व आवासीय सुविधाएं मुहैया कराने मे कोई कोताही नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर आवासीय सुविधा के साथ शिक्षा प्रदान करने केंद्र सरकार द्वारा संचालित एकलव्य विद्यालय मे पर्याप्त बजट आवंटित किया जाता है। पर्याप्त शिक्षक की व्यवस्था होने के बावजूद रिजल्ट ख़राब होना और छात्रों को सुविधाएं नहीं मिलना विद्यालय की कुप्रबंधन का परिणाम है। उन्होंने प्राचार्य को निर्देशित किया कि सभी कक्षाओं मे रिक्त सीटों को तत्काल भरने की कार्यवाही किया जाए। अध्यापन के दौरान कोई शिक्षक मोबाइल लेकर कक्षा मे न जाए, इसकी कड़ी मॉनिटरिंग करें। जिन संविदा शिक्षकों के द्वारा अध्यापन मे रूचि नहीं ली जा रही है उन्हें हटाकर नये शिक्षक की व्यवस्था करें। इसके साथ ही हर माह पेरेंट्स -मीटिंग आयोजित करने, छात्रों को पुस्तक व ड्रेस वितरण के भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने स्कूल परिसर मे निर्माणाधीन कार्यो की गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए कहा कि गुणवत्ता मे किसी तरह की समझौता न हो। उन्होंने विद्यालय के निरीक्षण हेतु अपर कलेक्टर,सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं पीडब्लूडी के अधिकारियो की टीम को निर्देशित किया। इस दौरान कलेक्टर ने उपस्थित अभिभावको की समस्याएं भी सुनी और शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाया। बैठक मे अपर कलेक्टर ए. आर. टंडन सहित समिति के सदयस्य, प्राचार्य एवं अभिभावक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा ने शुरू किया सेवा संकल्प अभियान

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की गई। रायपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित कार्यक्रम के साथ अभियान का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में सांसद एवं राष्ट्रीय संयोजक प्रकोष्ठ संकुल वी.डी. शर्मा, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी, डॉ. नवीन मार्कंडेय तथा प्रदेश उपाध्यक्ष जी. वेंकट सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के योगदान को रेखांकित किया गया। भाजपा नेताओं ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री के सेवा भाव और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा की ओर से अभियान के तहत सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विविध कार्यक्रमों के आयोजन की बात कही गई है। अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं और आम लोगों को समाजहित में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जाएगा।

प्रदेश में मिले स्वाइन फ्लू के 46 नए मरीज, रायपुर में सबसे ज्यादा केस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आज की जारी रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में स्वाइन फ्लू के 46 नए मरीज मिले हैं। इनमें रायपुर में सबसे अधिक 19 मरीज मिले हैं। इसके साथ ही जनवरी 2026 से अब तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू के कुल 298 मरीज सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, रायपुर में आज 19 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही जिले में जनवरी से अब तक स्वाइन फ्लू के कुल 127 मामले दर्ज हो चुके हैं, जो प्रदेश में सबसे अधिक हैं। आज बिलासपुर में 3, बलौदाबाजार में 2, बस्तर में 2, दुर्ग में 4, जांजगीर-चांपा में 1, कोंडागांव में 1, कोरबा में 3, महासमुंद में 2, मुंगेली में 1, रायपुर में 19, राजनांदगांव में 2 और सरगुजा में 1 नया मरीज मिला है। इसके अलावा अन्य राज्यों से 5 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। प्रदेश में वर्तमान में स्वाइन फ्लू के 113 एक्टिव मरीज हैं। इनमें 32 मरीजों का होम आइसोलेशन में इलाज जारी है, जबकि 81 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। 1 जनवरी 2026 से 8 सितंबर 2026 तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू के कुल 298 पॉजिटिव मरीज मिल चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अब तक स्वाइन फ्लू से किसी भी मरीज की मौत दर्ज नहीं हुई है।

सीएम हेल्पलाइन 1076 में शिकायत का त्वरित निराकरण, माना बस्ती की सड़क से हटाए गए आवारा मवेशी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश और कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर जिले में तत्परता से कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में माना बस्ती, ब्लॉक धरसींवा निवासी अंशु कुमार द्वारा सीएम हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया था कि पूरे रोड पर आवारा गाय-बैल एवं अन्य पशुओं के विचरण के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है तथा आवागमन में बाधा एवं अन्य परेशानियां हो रही हैं। शिकायतकर्ता ने पशुओं के गले में दूर से दिखाई देने वाले बेल्ट लगाने सहित आवश्यक कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत प्राप्त होने के बाद संबंधित विभाग द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई। शासकीय पशु चिकित्सालय, माना बस्ती द्वारा मवेशियों जो रेडियम बेल्ट पहनाया गया तथा शिकायत का त्वरित निराकरण कर दिया गया है। इस कार्रवाई से सड़क पर आवारा पशुओं के कारण होने वाली परेशानी और दुर्घटना की आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी।

भूपेश बघेल जी को असम प्रदेश का प्रभारी बनाए जाने पर दी बधाई

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी को असम राज्य का प्रभारी नियुक्त किए जाने पर आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी को असम का प्रभारी बनाए जाने पर आज उनके रायपुर स्थित निवास कार्यालय पहुंचकर अध्यक्ष आदिवासी जिला कांग्रेस धमतरी मनोज साक्षी के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों ने उन्हें बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अध्यक्ष आदिवासी जिला कांग्रेस मनोज साक्षी ने कहा कि भूपेश बघेल जी एक अनुभवी, जमीनी और किसान-मजदूरों के सच्चे हितैषी नेता हैं। उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। निश्चित ही उनके प्रभारी बनने से असम में कांग्रेस पार्टी और अधिक मजबूत होगी और आने वाले चुनाव में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित होगी। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से राजेन्द्र सोनी उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी धमतरी, मनोज साक्षी अध्यक्ष आदिवासी जिला कांग्रेस धमतरी, किशन गजेन्द्र युवा कांग्रेस, नितिन पिंकी यदु उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी किसान कांग्रेस, भरत लहरे उपाध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नगरी-सिहावा उपस्थित थे।

अधूरे पुल से नदी पार करने को मजबूर स्कूली बच्चों आयोग हुए सख्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड क्षेत्र में अधूरे पुल के कारण स्कूली बच्चों के जोखिमपूर्ण तरीके से नदी पार करने संबंधी मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले में छत्तीसगढ़ सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मैनपुर विकासखंड के खंभाठा और आसपास के गांवों के दर्जनों स्कूली बच्चे स्कूल पहुंचने के लिए अधूरे पुल से जुड़ी संकरी और फिसलन भरी लोहे की सीढ़ी के सहारे पैरी नदी पार करने को मजबूर हैं। मानसून के दौरान स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है, जब सामान्यत: उथली रहने वाली नदी तेज बहाव में बदल जाती है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा है कि यदि मीडिया रिपोर्ट में सामने आए तथ्य सही पाए जाते हैं।

नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान का विश्वविद्यालय में समापन

नशे से दूर रहकर युवा अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाएं-राज्यपाल डेका

रायपुर/ संवाददाता

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' संकल्प अभियान के अंतर्गत विगत एक माह से आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आज समापन हुआ। कार्यक्रम में कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्री रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा पीढ़ी होती है। युवा देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की भी महत्वपूर्ण शक्ति हैं। उनके विचार, संकल्प और सपने राष्ट्र की दिशा तय करते हैं। इसलिए युवा शक्ति को नशे जैसी बुराइयों से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2 अगस्त 2026 को युवाओं को नशामुक्त बनाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से इस महाअभियान की शुरुआत की है। नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। आज पारंपरिक नशे के साथ सूखे नशे का चलन भी बढ़ रहा है, जो युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। राज्यपाल ने कहा कि नशा व्यक्ति की सही और गलत में अंतर करने की क्षमता को प्रभावित करता है। नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को दोषी मानने के बजाय उसके प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए काउंसलिंग और आवश्यकता पड़ने पर उपचार उपलब्ध कराना चाहिए। अधिक नशे से मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। श्री डेका ने कहा कि नशे से किसी समस्या का समाधान नहीं होता। जीवन में परीक्षा का दबाव, करियर की चिंता, असफलता का भय और अपेक्षाओं का बोझ जैसी परिस्थितियां आती रहती हैं। इनसे बचने के लिए नशे का सहारा लेना समाधान नहीं है। समस्या

से भागना समाधान नहीं, बल्कि उसका सामना करना ही वास्तविक साहस है। उन्होंने युवाओं से अनुशासन, समय की पाबंदी और नियमित अध्ययन को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पढ़ने की आदत से ज्ञान के साथ-साथ विभिन्न विषयों के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। राज्यपाल ने डिजिटल एडिक्शन को भी गंभीर चुनौती बताते हुए युवाओं से डिजिटल माध्यमों का संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हार्टफुलनेस आश्रम, हैदराबाद के संचालक श्री त्रिलोचन चावला ने नशा मुक्ति के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नशा मुक्त भारत अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ भी दिलाई। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और माय भारत वॉलिंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अभियान के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को राज्यपाल ने सम्मानित किया। राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ प्रोफेसर श्री राजीव चौधरी को भी राज्यपाल ने सम्मानित किया। रेडक्रॉस एवं रोटरी संस्था द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर के लिए संस्था के प्रतिनिधियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, विश्वविद्यालय के फैकल्टी सदस्य, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

विष्णु भैया का संबल, एनीमा खलखो की बचत से संवर रहा छोटे बच्चे का भविष्य

- महतारी वंदन योजना से हर माह मिल रहे 1,000 रुपये, घरेलू जरूरतों के साथ बच्चे की पढ़ाई और पोषण में आ रही काम

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के लिए आर्थिक संबल और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन रही है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। नियमित रूप से मिलने वाली यह राशि महिलाओं को अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार के भविष्य के लिए बेहतर निर्णय लेने में भी सक्षम बना रही है। जशपुर जिले के ग्राम पुरनानगर निवासी श्रीमती एनीमा खलखो महतारी वंदन योजना की लाभार्थी हैं। योजना के तहत मिलने वाली राशि उनके परिवार के लिए काफी मददगार साबित हो रही है। वे इस राशि का उपयोग अपने बच्चे की पढ़ाई और पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में करती हैं। इसके साथ ही घर की छोटी-मोटी आवश्यकताओं को भी इसी राशि से पूरा कर लेती हैं। एनीमा खलखो के लिए महतारी वंदन योजना की खास बात यह है कि वे मिलने वाली राशि में से हर माह 500 रुपये अपने छोटे बच्चे के भविष्य के लिए

बचत करती हैं। नियमित बचत की यह आदत उन्हें अपने बच्चे के बेहतर भविष्य की तैयारी के साथ आर्थिक रूप से अधिक सुरक्षित महसूस कराती है। श्रीमती एनीमा खलखो बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि ने उन्हें आर्थिक सहारा दिया है। अब वे अपनी जरूरतों को प्राथमिकता के अनुसार तय करते हुए राशि के उपयोग का निर्णय स्वयं लेती हैं। योजना से मिली आर्थिक स्वतंत्रता ने उनके आत्मविश्वास को भी मजबूती दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि हमारे लिए बहुत उपयोगी है। इससे घर की जरूरतें पूरी करने के साथ बच्चे के भविष्य के लिए बचत करने का अवसर भी मिल रहा है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को मिल रहा नियमित आर्थिक संबल परिवार की जरूरतों को पूरा करने के साथ उन्हें बचत, आत्मनिर्भरता और आर्थिक निर्णयों की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। एनीमा खलखो की कहानी इस बात की मिसाल है कि विष्णु भैया की सरकार का संबल आज महिलाओं के हाथों में आर्थिक मजबूती और बच्चों के भविष्य के लिए नई उम्मीद बन रहा है।

सेवा सेतु से ग्रामीणों को घर बैठे मिल रहा शासकीय सेवाओं का लाभ

- डिजिटल सुविधा से समय और श्रम की बचत, पवन कुमार ने ऑनलाइन प्राप्त किए आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र

रायपुर/ संवाददाता

राज्य शासन द्वारा नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी और सहज रूप से उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे डिजिटल प्रयासों का लाभ अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सेवा सेतु पोर्टल आम नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं तक आसान पहुंच का प्रभावी माध्यम बन रहा है। ऑनलाइन आवेदन की सुविधा से नागरिकों को कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता कम हुई है और उनके समय एवं श्रम की बचत हो रही है। इसी पहल से लाभान्वित हुए सूरजपुर जिला के ग्राम हार्राटिकरा निवासी श्री पवन कुमार ने अपने बच्चों लक्ष्य कुमार एवं लक्ष्मी राजवाड़े के आवश्यक दस्तावेजों के लिए सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। श्री पवन कुमार ने बताया कि पहले आवश्यक प्रमाण पत्र बनवाने के लिए शासकीय कार्यालय जाकर आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती थी, जिसमें काफी समय और श्रम लगता था। सेवा सेतु के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन आवेदन करने से यह प्रक्रिया उनके लिए काफी आसान हो गई। उन्होंने कहा कि बिना अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर लगाए प्रमाण पत्र प्राप्त होने से उन्हें काफी सुविधा मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए किए जा रहे डिजिटल प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सेवा सेतु जैसी पहल से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को भी तकनीक के माध्यम से शासकीय सेवाओं का लाभ सरल और सुविधाजनक तरीके से मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र सहित विभिन्न विभागों की अनेक शासकीय सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। डिजिटल माध्यम से सेवाओं की पहुंच आसान होने से नागरिकों के समय और श्रम की बचत हो रही है ।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से घर रोशन हुआ सौर ऊर्जा का उजाला

- शासन की सब्सिडी सुविधा का लाभ लेकर घर की छत पर लगवाए सोलर पैनल
- बिजली बिल में राहत के साथ पर्यावरण संरक्षण की ओर बढ़ाया कदम

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में आमजनों को स्वच्छ

ऊर्जा से जोड़ने तथा बिजली के खर्च में राहत देने के उद्देश्य से संचालित पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ जिले के नागरिकों को मिल रहा है। योजना के माध्यम से परिवार अपने घरों की छत पर सोलर पैनल लगवाकर सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं और बिजली बिल में राहत प्राप्त कर रहे हैं। ग्राम दशरमा निवासी तारणी घृतलहरे ने भी इस योजना का लाभ लेते हुए अपने घर की छत पर सोलर पैनल इंस्टॉल करवाया है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी सुविधा का लाभ लेकर उन्होंने सौर ऊर्जा को अपनाने का निर्णय लिया। तारणी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि पहले उनके घर का बिजली बिल काफी अधिक आता था। इसी वजह से उन्होंने पीएम सूर्यघर योजना के बारे में जानकारी लेकर घर पर सोलर पैनल लगवाने का निर्णय लिया। अब सौर ऊर्जा का उपयोग करने से उन्हें बिजली बिल के खर्च में राहत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सोलर पैनल लगवाने के बाद उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। यह आर्थिक बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण कदम है।

48 घंटे में स्पोर्ट्स बाइक चोरी का खुलासा: 19 वर्षीय युवक गिरफ्तार, दो नाबालिग भी पकड़े गए

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बांकीमोंगरा पुलिस ने स्पोर्ट्स बाइक चोरी के मामले का 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी मोनेन्द्र कुमार उर्फ मोनू (19 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। उसके साथ चोरी की वारदात में शामिल दो नाबालिग साथियों को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की पल्सर आरएस 200 और एक्टिवा स्कूटी बरामद की है। पूछताछ में आरोपियों ने महंगी स्पोर्ट्स बाइक चलाने के शौक के चलते चोरी की योजना बनाने की बात स्वीकार की है। मामला 5-6 सितंबर की रात का है। देव कुमार अहिरवार ने बांकीमोंगरा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी ।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम में ली गौ सेवकों एवं अधिकारियों की बैठक

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने रेस्क्यू एवं संरक्षण को लेकर दिए अधिकारियों को निर्देश

- पशु संरक्षण एवं उपचार व्यवस्था को बेहतर बनाने गौ सेवकों से लिए सुझाओ

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिला कार्यालय के सभाकक्ष में गौ सेवकों एवं संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में सड़क पर विचरण करने वाले पशुओं, बीमार एवं घायल पशुओं के रेस्क्यु, उपचार तथा उनके लिए व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने गौ सेवकों से उनके कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं की जानकारी ली और पशुओं के बेहतर संरक्षण एवं उपचार के लिए आवश्यक सुझाव भी लिए। बैठक में गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री विशेषर पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति, पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री नरेन्द्र पैकरा, गौ सेवक श्री नीलेश सोनी, श्री संस्कार दुबे, श्री तरूण साहू, श्री अंकुश विश्वकर्मा, अनमोल ठाकुर, श्री वैदिक मिश्रा, श्री नीरज ठाकुर, श्री अमित चंद्रवंशी सहित जनप्रतिनिधि, गौ सेवक उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि गौ सेवक दिन-रात बीमार और घायल पशुओं की सेवा में जुटे रहते हैं। वे पूरी मेहनत, लगन और सेवाभाव के साथ सड़क पर घायल अवस्था में मिले पशुओं का रेस्क्यु कर उन्हें उपचार के लिए पशु चिकित्सालय तक पहुंचाते हैं। गौ सेवकों द्वारा किए जा रहे इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पशुओं की सेवा और संरक्षण के लिए उनके प्रयास महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गौ सेवक जब भी किसी सेवा कार्य अथवा घायल पशु के रेस्क्यु के संबंधितकार्य हेतु संपर्क व्यवस्था

को दुरुस्त किया जाय। उनकी समस्या के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में पशुपालन विभाग के चिकित्सकों, सहायक चिकित्सकों एवं अन्य उपलब्ध मानव संसाधन तथा विभागीय सेटअप की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों की पदस्थापना स्थल, किन-किन क्षेत्रों में कौन से चिकित्सक कार्यरत हैं तथा किन स्थानों पर चिकित्सकीय सेवाओं की आवश्यकता है, इसकी भी जानकारी ली। उन्होंने सभी चिकित्सकों की बैठक आयोजित कर जिले में पशुओं के उपचार एवं रेस्क्यु व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां पशुओं के उपचार की अधिक आवश्यकता है, वहां चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि बीमार एवं घायल पशुओं को समय पर उपचार मिल सके। उन्होंने चिकित्सकों को सेवाभाव, ललक और मेहनत के साथ कार्य करने की बात कही। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जिले में उपलब्ध पशु रेस्क्यु वाहन के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि पशु रेस्क्यु वाहन को 24 घंटे संचालित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि सड़क दुर्घटना में घायल अथवा बीमार पशुओं की सूचना मिलने पर तत्काल रेस्क्यु टीम मौके पर पहुंच सके। उन्होंने इसके लिए जिम्मेदारी और संपर्क व्यवस्था को भी व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। बैठक में स्वर्ण जयंती परिसर का निरीक्षण कर वहां पशु चिकित्सालय को शिफ्ट करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने गौ सेवकों, अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से कहा कि परिसर का निरीक्षण कर पशु चिकित्सालय को वहां स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि बड़े और व्यवस्थित स्थान पर पशुओं के उपचार, देखभाल एवं विश्राम के लिए बेहतर व्यवस्था विकसित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था तैयार की जाए, जहां बीमार एवं घायल पशुओं को उपचार के साथ सुरक्षित स्थान, पर्याप्त खुला क्षेत्र तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

संपादकीय

बीसीआई ने छात्रों के भविष्य पर लगाया अपना फरमान, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा - अधिकार कहां से मिला?

यह विचित्र है कि बीसीआई खुद कानून के पेशे को विनियमित करने वाली एक संवैधानिक संस्था है और इसके बावजूद उसे नियम-कायदों का पालन या अन्य तकाजों का ध्यान रखना जरूरी नहीं लगा। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि अदालत में कानून के आधार पर पैरोकारी करने से जुड़ा कोई संगठन ही या तो अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल करने की कोशिश करे और अपनी सीमा का अतिक्रमण करे। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में स्पष्ट व्यवस्था दी है कि अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करके कोई भी संस्था ऐसा आदेश पारित नहीं कर सकती, जिससे किसी का भविष्य बाधित हो।गौरतलब है कि हैदराबाद स्थित नालसार विधि विश्वविद्यालय के छात्रों के खिलाफ बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी बीसीआइ के अध्यक्ष ने कुछ समय पहले एक आदेश जारी कर दिया था कि वहां पढ़ने वाले पूरे बैच के विद्यार्थियों का वकील के रूप में नामांकन किसी भी राज्य के बार काउंसिल में न किया जाए।उसके बाद इस मसले पर काफी विवाद उठा था कि क्या सिर्फ इसलिए विद्यार्थियों के भविष्य या करिअर को बाधित किया जा सकता है कि उन्होंने किसी कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश के आने पर आपत्ति जताई थी। हालांकि इस विवाद के तूल पकड़ने के बाद बीसीआइ के अध्यक्ष ने वह आदेश वापस ले लिया था, लेकिन यह सवाल अपनी जगह कायम रहा कि क्या उसके पास विद्यार्थियों के खिलाफ ऐसा आदेश जारी करने का अधिकार है। इसी मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि बीसीआइ के पास विधि के छात्रों के आचरण को नियंत्रित करने की वैधानिक शक्ति नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि विद्यार्थियों के संबंध में किसी भी तरह की कार्रवाई करना उस संस्थान का विषय है। संस्थान अपने नियमों और विनियमों के मुताबिक इस पर फैसला ले सकता है। मगर हैरानी की बात यह है कि एक ऐसे मामले में बीसीआइ ने अतिरिक्त सजगता दिखाते हुए नालसार विधि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के खिलाफ फरमान जारी कर दिया था, जिससे उसका कोई सीधा वास्ता नहीं था।सवाल है कि वहां के कुछ विद्यार्थियों ने अगर किसी मसले पर अपनी असहमति जाहिर की थी, तो क्या यह उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और अधिकार के तहत नहीं आता है। सिर्फ इसके लिए समूचे बैच के खिलाफ आदेश जारी कर देने की हड़बड़ी के पीछे आखिर कौन-सी मानसिकता काम कर रही थी? क्या बीसीआइ को इस बात का अंदाजा नहीं था कि अगर यह मामला अदालत में जाएगा, तो तर्कों और कानूनों की कसौटी पर उसे कैसे देखा जाएगा?यह विचित्र है कि बीसीआइ खुद कानून के पेशे को विनियमित करने वाली एक संवैधानिक संस्था है और इसके बावजूद उसे नियम-कायदों का पालन या अन्य तकाजों का ध्यान रखना जरूरी नहीं लगा।

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है।

समाज के मार्गदर्शक होते हैं शिक्षक

(रमेश सर्राफ धमोरा)

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है।

शिक्षक हमारे जीवन में सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं बल्कि सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक भी होते हैं। बचपन की शिक्षा से लेकर करियर बनने तक वह हमें सीखने, समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इसीलिए हमारे देश में शिक्षकों को भगवान से भी ऊपर का दर्जा दिया गया है। शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितंबर शिक्षक दिवस के लिए रूप में मनाया जाता है।

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है।

हर देश में शिक्षक दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में छह मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में पांच अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन भारत में शिक्षक दिवस को दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में 5 सितंबर 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी।

डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरुआत की थी।

उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है।

हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया है:-

गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट,
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट

कबीर दास जी कहते है कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है।

वर्तमान समय में शिक्षकों का समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्धारा नीच हरकते करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है। मौजूदा दौर में शिष्य भी कुछ कम नहीं हैं। छात्रों की अनुशासनहीना के चलते स्कूल, कालेजों में शिक्षा का वातावरण समाप्त होता जा रहा है। गुरू शिष्य को एक दूसरे की भावनाओं को समझ कर मिलजुल कर ज्ञान की ज्योति जलानी होगी। शिक्षक दिवस मनाने के साथ हमें शिक्षण कार्य की पवित्रता को फिर से बहाल करने की प्रतिज्ञा भी लेनी होगी। तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाना सार्थक हो पायेगा।

शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक निर्माता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की और ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढ़ेर सारे प्रकाश स्तम्भों से रोशन हो रहा है। इसलिये देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है।

पहले के समय में शिक्षकों को चरण स्पर्श कर सम्मान दिया जाता था। परन्तु आज के समय में शिक्षक और छात्र दोनो ही बदल गये है। पहले शिक्षण एक पेशा ना होकर एक उत्साह और एक शौक का कार्य था। पर अब यह मात्र एक आजीविका चलाने का साधन बनकर रह गया है। शिक्षक एक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शिक्षक एक मार्गदर्शक, गुरु, मित्र होने के साथ ही और कई भूमिकाएं निभाते है। यह विद्यार्थी के उपर निर्भर करता है कि वह अपने शिक्षक को कैसे परिभाषित करता है। संत तुलसी दास के ने इसे नीचे के पंक्तियों में बहुत ही अच्छे तरीके से समझाया है।

जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी – संत तुलसी दास ने बताया है कि भगवान, गुरु एक व्यक्ति को वैसे ही नजर आयेंगे जैसा कि वह सोचेगा। उदहारण के लिए अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण को अपना मित्र मानते थे। वही मीरा बाई भगवान श्रीकृष्ण को अपना प्रेमी। ठीक इसी प्रकार से यह शिक्षक के उपर भी लागू होता है। इसीलिए कहते हैं कि शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है।

शिक्षक दिवस को स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक और विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थियों से शिक्षकों को ढ़ेर सारी बधाईयां मिलती है। भारत में शिक्षक दिवस शिक्षको के सम्मान में मनाया जाता है। शिक्षक पूरे वर्ष मेहनत करते है और चाहते है कि उनके छात्र विद्यालय और अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करें। शिक्षक दिवस पर पूरे देश के विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

भावी संकट की पूर्व चेतावनी है नेपाल त्रासदी

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

आज संवाद या विचार का विषय यह नहीं रह गया है कि नेपाल त्रासदी में कितने लोगों ने अपनी जान गंवाई है या कितनी जन-धन हानि हुई है अपितु यह हो जाता है कि इस तरह की त्रासदी से निपटने के लिए हम कहां तक तैयार है। सवाल यह भी है कि ऐसे हालात क्यों होते जा रहे हैं। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि दुनिया के देशों के लिए नेपाल त्रासदी को हल्के में लेना बड़ी भूल होगी। 2020 की कनाड़ा की रॉक स्लाइड और 2023 की सिक्किम में साउथ ल्होनक झील की ग्लेशियल फटने की घटना हमारे सामने हैं। यह कोई पहली या अंतिम घटनाएं नहीं हैं अपितु देखा जाएं तो यह समय रहते प्रयास नहीं किये गये तो ऐसी घटनाओं की आवृति जल्दी जल्दी और अतिविनाशकारी होगी, इससे नकारा नहीं जा सकता। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले सालों में जिस तरह से प्रकृति का विकराल रुप देखने को मिल रहा है वह चाहे तूफानों के रुप में हो, चाहे जंगलों में लगती आग के कारण हो, ग्लेशियरों के पिघलने की हो, ग्लेशियलों के फटने की हो, भूकंपों की हो, बैमौसम आंधी बरसात की हो, अतिवृष्टि या अनावृष्टि की हो, मौसम चक्र में भले ही आंशिक परिवर्तन की हो या समुद्री तूफानों की बढ़ती फ्रिक्वेंसी की हो बेहद गंभीर हो जाती है। वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की लगातार चेतावनी को नजरअंदाज करने का ही परिणाम है कि नेपाल जैसी त्रासदियां आम होती जा रही है। यह केवल नेपाल या इससे जुड़े क्षेत्र के लिए ही गंभीर हालात नहीं हैं अपितु अमेरिका, चीन, भारत सहित दुनिया के दस देश नेपाल जैसी त्रासदी के मुहाने पर खड़े हैं। ग्लेशियल के फटने या यों कहें किग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी कि ग्लोफ जैसे हालात कभी भी इनके दायरें में आने वाले देशों में हो सकते हैं। यह भी सही है कि अभी तक भारत-नेपाल ही नहीं दुनिया के इस दायरें में आने वाला कोई भी देश इन आपदाओं से निपटने में पूरी तरह सक्षम नहीं हो सके हैं। जानकारों की मानें तो भारत, चीन, पाकिस्तान, पेरु के एक करोड़ 50 लाख लोग इनके दायरें में सीधे सीधे आ रहे हैं। यह वह लोग है जो इन ग्लेशियलों के एक किलोमीटर से 10 किलोमीटर के दायरें में रह रहे हैं। आज ग्लोफ खतरें के दायरें में भारत, पाकिस्तान, कनाड़ा, पेरु, अमेरिका, चिली, इटली, नेपाल और कोलंबिया आए हुए हैं। उत्तराखंड त्रासदी हमारे सामने हैं और उस त्रासदी के परिणाम सामने होने के बावजूद लगभग साल दर साल भूस्खलन के मामले हर सीजन में सामने आ रहे हैं। यह साफ हो जाना चाहिए कि प्रकृति से एक सीमा से अधिक खिलवाड़ किया जाता है तो विकृति का सामना हमें करना ही पड़ेगा। जीवनदायी यही प्रकृति अपने विकराल रुप में फलटवार करती है। ऐसे में समय के साथ सबक लेना जरुरी हो जाता है। आज सारी दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की बात तो की जाती है पर उस पर अमल पूरी तरह से हो नहीं पा रहा है। विशेषज्ञों की माने तो हालात यही रहे तो सदी के अंत तक समुद्र का जलस्तर दो मीटर तक बढ़ सकता है। तो दूसरी और अभी से समुद्र तटीय कई शहर डूबने की जद में आने की चेतावनियां दी जा रही है। नेपाल की हालिया त्रासदी का कारण ग्लेशियल का फटना माना जा रहा है। दरअसल ग्लेशियर और ग्लेशियल में हमें भेद करके चलना होगा। ग्लेशियर भौगोलिक संरचना होती है। यह पहाड़ों और ध्रुवों पर लंबे समय से जमा बर्फ खण्ड होते हैं। यह अपने गुरुत्वाकर्षण के कारण जमे रहते हैं पर जलवायु परिवर्तन और तापमान के बढने के कारण आज बड़ी मात्रा में ग्लेशियर के पिघलने की गति तेज होती जा रही है। दरअसल ग्लेशियरों के बड़े खण्डों के पिघल कर गिरने से ग्लेशियल झील बनती हैं। ग्लेशियल झील बन जाती है इसे हिमनदी झील भी कह सकते हैं। नेपाल की हालिया त्रासदी ग्लेशियल झील के फटने के कारण ही हुई है। वैज्ञानिकों की माने तो ग्लेशियलों के निर्माण की गति में काफी तेजी आई है। यदि हम हिमालय क्षेत्र की ही बात करें तो सतलुज बेसिन में 2019 में 560 ग्लेशियल झीलें थी जो चार साल यानी की 2023 तक 1048 हो गई हैं। नेपाल त्रासदी ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी की ग्लोफ का परिणाम है। साधारण शब्दों में कहा जाएं तो यह ग्लेशियल झील के फटने का परिणाम है। ऐसा नहीं है कि वैज्ञानिक इन हालातों पर नजर नहीं रख रहे हो बल्कि देखा जाएं तो लीड्स विश्वविद्यालय के ग्लेशियल फ्लडिंग के विशेषज्ञ डॉ. जानाथन कारीविक पहले ही चेता चुके हैं। हमारे देश के ही राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एनडीएमए के विशेषज्ञों ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी को रिपोर्ट प्रस्तुत कर हालात से रुबरु कराने के साथ ही ठोस सुझाव भी दिए हैं। दरअसल एक सीमा से अधिक प्रकृति से छेड़छाड़ का ही परिणाम इस तरह की त्रासदियां होती हैं। आज लाख चेतानें के बावजूद सतलुज बेसिन में बांधों के साथ साथ विद्युत परियोजनाओं सहित विकास परियोजनाओं का दखल बढ़ा है। एक सीमा से अधिक मानवीय दखल बढ़ी है। इससे तापमान में स्वाभाविक रुप से बढ़ोतरी होने के साथ ही अपशिष्ट भी फैल रहा है। दरअसल प्रकृति से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से छेडछाड़ बढ़ रही है।

हीरे से लेकर हथियारों तक, बेल्जियम के साथ मिलकर मोदी ने यूरोप के लिए बनाया बड़ा गेम प्लान

सहयोग के नए क्षेत्रों की सूची बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, रक्षा विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनिंग और रिसाइक्लिंग, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि बेल्जियम की सेमीकंडक्टर विशेषज्ञता और भारत का विशाल औद्योगिक पैमाना एक-दूसरे के पूरक हैं। बेल्जियम के विश्वस्तरीय आईमेक संस्थान को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जोड़ने की पहल भविष्य में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

(नीरज कुमार दुबे)

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है। भारत और बेल्जियम के रिश्तों की सबसे चमकदार पहचान हीरे रहे हैं। एंटवर्प से मुंबई और सूरत तक फैला कारोबार दोनों देशों को जोड़ता रहा है। लेकिन अब यह रिश्ता सिर्फ चमकते हीरों तक सीमित नहीं रहने वाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की नई दिल्ली में हुई मुलाकात ने भारत-बेल्जियम संबंधों को रक्षा, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और निवेश जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक विस्तार देने का स्पष्ट रोडमैप तैयार कर दिया है। इतिहासकिताबें खोजें बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि भारत अब द्विपक्षीय संबंधों को अलग-अलग घटनाओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापार, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक राजनीति को जोड़कर एक व्यापक रणनीतिक ढांचे में आगे बढ़ा रहा है।

इतिहास की साझी विरासत, भविष्य की रणनीतिक साझेदारी – हम आपको बता दें कि भारत-बेल्जियम संबंधों की जड़ें गहरी हैं। प्रथम विश्व युद्ध में फ्लैंडर्स के युद्धक्षेत्रों में 9,000 से अधिक भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। बेल्जियम स्वतंत्र भारत के साथ 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले शुरुआती यूरोपीय देशों में शामिल था। अब 2027 में दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की 80वीं वर्षगांठ मनाएंगे। प्रधानमंत्री डी वेवर ने भारत यात्रा की शुरुआत राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर की। यह प्रतीकात्मक घटना उस रिश्ते की ओर इशारा करती है जिसकी बुनियाद लोकतंत्र, कानून के शासन, बहुलवाद और आपसी विश्वास पर टिकी है। लेकिन इस बार इतिहास से अधिक महत्वपूर्ण भविष्य है। 15 जुलाई 2026 को ब्रुसेल्स में शुरू हुआ पहला भारत-बेल्जियम रणनीतिक संवाद अब दोनों देशों के संबंधों

को नियमित और व्यापक संस्थागत आधार देगा। इसके तहत व्यापार और निवेश से लेकर हरित परिवर्तन, प्रौद्योगिकी, संपर्क, रक्षा और सुरक्षा तक सहयोग के लिए एक स्थायी मंच तैयार किया गया है।

भारत-ईयू समीकरण में बेल्जियम की बढ़ती अहमियत – इस यात्रा का सबसे बड़ा वैश्विक महत्व भारत-यूरोपीय संघ संबंधों से जुड़ा है। जनवरी 2026 में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का सफल निष्कर्ष एक ऐतिहासिक घटनाक्रम माना जा रहा है। मोदी और डी वेवर ने इसके शीघ्र क्रियान्वयन पर जोर दिया है। भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक और आर्थिक शक्तियां हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा से प्रभावित हैं, भारत-ईयू आर्थिक साझेदारी का विस्तार केवल व्यापारिक मामला नहीं है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन-केंद्रित निर्भरता से बाहर निकालने और अधिक विविध तथा सुरक्षित व्यवस्था बनाने की रणनीति भी है। बेल्जियम इस समीकरण में विशेष भूमिका निभा सकता है। एंटवर्प यूरोप के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक और बंदरगाह केंद्रों में है। दूसरी ओर भारत हिंद महासागर क्षेत्र में एक विशाल बाजार और तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति है। दोनों देशों का सहयोग यूरोप और भारत के बीच एक नए आर्थिक एवं लॉजिस्टिक गलियारे की नींव बन सकता है।

पांच साल में व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य – दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंडिया-बेल्जियम इन्वेस्टमेंट फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्म शुरू किया गया है, जो निवेश संबंधी बाधाओं को दूर करने और कंपनियों को सहायता देने का काम करेगा। बेल्जियम की संप्रभु निवेश संस्था एसएफपीआईएम और भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड यानि एनआईआईएफ के बीच सहयोग से एक संभावित भारत-बेल्जियम आर्थिक और निवेश गलियारे की दिशा में भी काम होगा। सहयोग के नए क्षेत्रों की सूची बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, रक्षा विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनिंग और रिसाइक्लिंग, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि बेल्जियम की सेमीकंडक्टर विशेषज्ञता और भारत का विशाल औद्योगिक पैमाना एक-दूसरे के पूरक हैं। बेल्जियम के विश्वस्तरीय आईमेक संस्थान को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जोड़ने की पहल भविष्य में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

रक्षा सहयोग: रिश्तों का सबसे बड़ा रणनीतिक बदलाव – इसके अलावा, भारत-बेल्जियम संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में दिखाई देता है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों के बीच हस्ताक्षरित लेटर ऑफ इंटेंट नियमित सैन्य संवाद, स्टाफ वार्ता, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रक्षा औद्योगिक साझेदारी का ढांचा तैयार करेगा। दोनों देश रक्षा सह-विकास और सह-उत्पादन की संभावनाएं तलाशेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्नत रक्षा उपकरणों, विशेष रूप से जोरावर टैंक जैसे क्षेत्रों में सहयोग का उल्लेख किया। साथ ही बेल्जियम का नई दिल्ली में रक्षा अताशे नियुक्त करना और भारत का ब्रुसेल्स में स्थायी रक्षा अताशे नियुक्त करने का फैसला रिश्तों की बदलती प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत है। बेल्जियम का युद्धपोत एलईओपोल्ड 1 नवंबर 2026 को भारत आएगा।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में 8 स्वर्ण, 14 रजत और 8 कांस्य पदक; अंडर-19 छात्राएं दूसरे स्थान पर

तैराकी में बीजापुर के खिलाड़ियों ने जीते 30 पदक

बीजापुर। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बीजापुर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बिलासपुर में 3 से 6 अगस्त तक आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 की तैराकी स्पर्धा में बीजापुर स्पोर्ट्स अकैडमी के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में 8 स्वर्ण, 14 रजत और 8 कांस्य सहित कुल 30 पदक हासिल किए। अंडर-19 छात्राओं ने द्वितीय तथा अंडर-14 छात्राओं ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।सपना ने चार पदक जीते-अंडर-14 वर्ग में सपना ने दो स्वर्ण और दो रजत पदक हासिल किए। अश्रय ने एक रजत, सुभाष ने एक कांस्य तथा तमन्ना ने एक रजत और एक कांस्य पदक जीता।अंडर-17 में बबलू का प्रदर्शन-अंडर-17 वर्ग में बबलू ने तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। सरैया ने एक रजत और एक कांस्य, संदीप ने एक कांस्य, रीता ने तीन रजत, गुंजन ने एक रजत और एक कांस्य, रमादेवी ने एक रजत और एक कांस्य तथा साधना ने एक रजत पदक जीता।अंडर-19 में साधना और अश्विता चमकीं-अंडर-19 वर्ग में साधना ने दो स्वर्ण और दो रजत, जबकि अश्विता ने एक स्वर्ण और तीन रजत पदक हासिल किए।अभ्यास और प्रशिक्षण का मिला लाभ-खिलाड़ियों के प्रदर्शन में नियमित अभ्यास, अनुशासन और कड़ी मेहनत के साथ प्रशिक्षक दीप्ति वर्मा के तकनीकी प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रतियोगिता में सफलता के बाद बीजापुर स्पोर्ट्स अकैडमी में उत्साह का माहौल है। कलेक्टर विश्वदीप और जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे ने पदक विजेता खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षक को बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों को आगे भी मेहनत और अनुशासन के साथ जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

सड़क सुरक्षा की अनोखी पहल: बस्तर के चार प्रमुख गांवों में खुला हेलमेट बैंक, कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में हुई शुरुआत

जगदलपुर। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक अत्यंत सराहनीय और नवाचारी कदम उठाया है। कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में हुई इस विशेष कार्यवाही के तहत जिले के जगदलपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के चार महत्वपूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों करंदोला, बालेंगा, कुदालगांव और घाट लोहंगा में हेलमेट बैंक की स्थापना की गई है। अनुविभागीय दंडाधिकारी बस्तर गगन शर्मा ने बताया कि क्षेत्र के करंदोला, बालेंगा और कुदालगांव राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर स्थित हैं, जहां दिन-रात तेज रफ्तार भारी वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे व्यस्ततम मार्ग पर दोपहिया चालकों के लिए दुर्घटना का जोखिम हमेशा अधिक रहता है, जिसे देखते हुए इन तीनों स्थानों पर हेलमेट बैंक की शुरुआत स्थानीय राहगीरों को तत्काल एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान करेगी।

वहीं दूसरी ओर घाट लोहंगा क्षेत्र से बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने रोजमर्रा के कामकाज, व्यापार और आवश्यक सेवाओं के सिलसिले में नियमित रूप से जगदलपुर शहर आते-जाते हैं। ग्रामीण अंचलों में अक्सर हेलमेट की सहज उपलब्धता न होने के कारण लोग बिना सुरक्षा के ही यात्रा पर निकल पड़ते हैं, लेकिन अब इस नई व्यवस्था से वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले आसानी से हेलमेट प्राप्त कर सकेंगे।

प्रशासन की इस संवेदनशील पहल का मुख्य ध्येय केवल यातायात नियमों का पालन कराना ही नहीं, बल्कि आमजन के जीवन की रक्षा करना और उनमें सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाना है, जिसकी स्थानीय ग्रामीणों द्वारा भी खूब

CRPF कैंप में घुसा 20 फीट लंबा विशाल अजगर वन विभाग और ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

कोंटा। CRPF कैंप हेडक्वार्टर 217वीं बटालियन कोंटा के परिसर में एक विशाल अजगर दिखाई दिया। इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग और सीआरएफ की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और सावधानीपूर्वक अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू किया। बताया जा रहा है कि अजगर की लंबाई करीब 20 फीट, मोटाई लगभग 2 फीट और वजन 40 से 50 किलो के आसपास था। वन विभाग की टीम ने आवश्यक सावधानी बरतते हुए अजगर को सुरक्षित पकड़ा और बाद में उसे उसके प्राकृतिक आवास वाले जंगल क्षेत्र में छोड़ दिया।

कोंटा रेंजर महेश पासवान ने आमजनों से अपील की कि

किसी भी वन्यजीव को पकड़ने या नुकसान पहुंचाने का प्रयास न करें। अजगर या अन्य वन्यजीव दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग के अधिकारियों या कर्मचारियों को सूचना दें। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर सुरक्षित रेस्क्यू कर वन्यजीव को उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ने की कार्रवाई करेगी।

स्मार्ट मीटर हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने शुरू किया हस्ताक्षर अभियान

महंगी बिजली और बढ़ते बिल से आम उपभोक्ताओं पर बढ़ रहा आर्थिक बोझ - विक्रम मंडावी

बीजापुर। स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस ने गुरुवार को भैरमगढ़ से हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से शुरू किए गए अभियान में पार्टी नेताओं ने स्मार्ट मीटर हटाने की मांग उठाई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल बढ़ने और मनमानी वसूली की शिकायतें सामने आ रही हैं। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि भाजपा सरकार आम जनता को राहत देने के बजाय महंगी बिजली और बढ़ते बिजली बिलों का बोझ डाल रही है। उन्होंने दावा किया कि जिले के हजारों उपभोक्ता अधिक बिजली बिल से परेशान हैं। स्मार्ट मीटर को लेकर भी उपभोक्ताओं में असंतोष है। मंडावी ने कहा कि इन शिकायतों को लेकर कांग्रेस जिलेभर में हस्ताक्षर अभियान चलाएगी।जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर ने सरकार पर बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए स्मार्ट मीटर लगवाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसान खाद के लिए परेशान हैं और युवाओं के सामने रोजगार की समस्या है। ऐसे समय में स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि बिजली बिल में राहत मिलने तक कांग्रेस का अभियान जारी रहेगा।

कांग्रेस ने गिनाई समस्याएं- बिजली बिल बढ़ने का दावा: कांग्रेस नेताओं ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं की ओर से अधिक बिल आने की शिकायतें मिल रही हैं। पारदर्शिता पर सवाल: पार्टी ने बिलिंग व्यवस्था में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया है।जिलेभर में अभियान: कांग्रेस ने भैरमगढ़ के बाद जिले के अन्य क्षेत्रों में भी हस्ताक्षर अभियान जारी रखने की बात कही है।ये रहे मौजूद-अभियान में नकुल ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य लच्छू मौर्य, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सुखदेव नाग, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम, ब्लॉक अध्यक्ष मनोज अक्लम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और आम लोग मौजूद रहे।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी केशकाल ने किया प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास बहीगांव का आकस्मिक निरीक्षण

कोण्डागांव। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी केशकाल श्रीमती सौम्या राय के नेतृत्व में प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास, बहीगांव का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास में निवासरत बच्चों से मुलाकात कर उनके रहन-सहन, भोजन, शिक्षा एवं उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान छात्रावास की स्वच्छता व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, शयन कक्ष, अध्ययन व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने बच्चों से उनकी दिनचर्या एवं पढ़ाई को लेकर बातचीत की तथा उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।श्रीमती सौम्या राय ने बच्चों को नियमित रूप से पढ़ाई करने, अनुशासन बनाए रखने तथा अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रावास प्रबंधन को बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वच्छता एवं आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि छात्रावास में रहने वाले बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं अध्ययन के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना आवश्यक है। आकस्मिक निरीक्षण का उद्देश्य बच्चों के हितों की सुरक्षा के साथ उन्हें बेहतर वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करना रहा। निरीक्षण के दौरान अधिकार मित्र अनिल कुमार मंडावी, प्रबंध कार्यालय केशकाल, वर्षा केमरो, थाना केशकाल, चमेली यादव, थाना धनोरा तथा छात्रावास अधीक्षक उपस्थित रहे।

महापौर संजय पांडे बोले—हरियाली के बिना अधूरा है शहर का विकास

जगदलपुर। महापौर संजय पांडे ने कहा कि जगदलपुर के विकास का विजन केवल सड़क, नाली, भवन और अन्य अधोसंरचना तैयार करने तक सीमित नहीं है। हम ऐसा जगदलपुर बनाना चाहते हैं, जहां विकास के साथ हरियाली, स्वच्छता, सुंदरता और बेहतर पर्यावरण भी शहर की पहचान बने। इसी सोच के साथ नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों, डिवाइडरों, उद्यानों और सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण एवं हरित विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि इंद्रावती से गोरिया बहार तक लगाए गए 2700 से अधिक पौधे आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग को हरित कॉरिडोर का स्वरूप देंगे। आज लगाए गए पौधे भविष्य में छायादार और सुंदर मार्ग का निर्माण करेंगे। इससे न केवल शहर का वातावरण बेहतर होगा, बल्कि जगदलपुर में प्रवेश करने वाले लोगों को बस्तर की प्राकृतिक पहचान का अहसास भी होगा।महापौर ने कहा कि नक्सलमुक्त बस्तर में पर्यटन के नए द्वार खुले हैं। चित्रकोट, तीरथगढ़, कुटुमसर, बस्तर दशहरा और यहां की आदिवासी संस्कृति देखने देश-दुनिया से लोग पहुंच रहे हैं। ऐसे में जगदलपुर को बस्तर के प्रवेश द्वार के रूप में ऐसा स्वरूप देना जरूरी है, जो पर्यटकों को पहली नजर में आकर्षित करे। उन्होंने कहा कि शहर की हरियाली, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को पर्यटन विकास से जोड़कर नगर निगम आगे बढ़ रहा है।संजय पांडे ने कहा कि हरियाली केवल पर्यावरण संरक्षण का विषय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और बेहतर शहर तैयार करने का संकल्प है। पौधरोपण के साथ नगर निगम इन पौधों के संरक्षण और संवर्धन पर भी ध्यान देगा, ताकि लगाए गए पौधे सुरक्षित रहें और आने वाले वर्षों में विशाल वृक्षों का रूप ले सकें।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बस्तर के विकास को प्राथमिकता दे रही है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव लगातार जगदलपुर के विकास कार्यों को गति देने में सहयोग कर रहे हैं। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन से पर्यावरण और हरित विकास को बढ़ावा मिल रहा है, वहीं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में संभाग की स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है।महापौर ने कहा कि जगदलपुर के विकास के लिए प्रदेश सरकार से मिल रहे सहयोग और मार्गदर्शन के लिए वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हैं।इससे पहले मुख्य वन संरक्षक सुश्री स्टाइलो मंडावी ने जगदलपुर वन वृत्त की भविष्यगामी हरित योजनाओं का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के लगभग 3 हजार रनिंग मीटर के मीडियन सड़क के बीच में भौगोलिक अनुकूलता के अनुसार टेकोमा, बोगनवेलिया और कनेर (नेरियम) जैसी विशिष्ट प्रजातियों के पौधे रोपे जा रहे हैं।

ताड़पाल, इंडरीपाल और डुमरीपालनार के जंगलों में कार्रवाई, ग्रेनेड, तीर बम, डेटोनेटर और वायर भी मिले

माओवादी डंप पर सुरक्षा बलों की नजर, BGL के 105 कलपुर्जे समेत विस्फोटक बरामद

बीजापुर। जिले में माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को अलग-अलग इलाकों से बड़ी बरामदगी हुई है। ताड़पाल, इंडरीपाल और डुमरीपालनार के जंगलों में सर्चिंग के दौरान बीजीएल के 105 राउंड कंपोनेंट्स समेत ग्रेनेड, तीर बम, डेटोनेटर, नॉन-इलेक्ट्रिक वायर और अन्य सामग्री बरामद की गई। बरामद विस्फोटकों में ग्रेनेड और तीर बम को बीडीएस टीम ने मौके पर ही सुरक्षित तरीके से नष्ट किया।

ताड़पाल में जमीन के नीचे छिपाए थे बीजीएल के कलपुर्जे

9 सितंबर को सीआरपीएफ की 196वीं बटालियन ने एफओबी ताड़पाल क्षेत्र की पहाड़ी में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान पत्थरों और जमीन के नीचे छिपाकर रखे 105 नग बीजीएल राउंड कंपोनेंट्स, एक बीजीएल नोज, दो लोहे के पाइप, एक एल्युमिनियम पतीला और लेथ मशीन का हैंडल बरामद किया गया।

इंडरीपाल में ग्रेनेड और तीर बम मिले

5 सितंबर को डीआरजी और थाना मिरतुर की संयुक्त टीम ने इंडरीपाल के जंगल में सर्चिंग की। टीम को माओवादी डंप से दो ग्रेनेड और पांच तीर बम मिले। सुरक्षा के मद्देनजर बीडीएस टीम ने सभी विस्फोटकों को मौके पर ही सुरक्षित रूप से डिस्पोज किया।इसके बाद 6 सितंबर को डीआरजी और थाना मिरतुर पुलिस की संयुक्त टीम ने डुमरीपलनर जंगल में तलाशी अभियान चलाया। यहां से सात बंडल नॉन-इलेक्ट्रिक वायर और छह डेटोनेटर बरामद किए गए।

अभियान जारी

पुलिस के अनुसार जिले के संवेदनशील और माओवादी प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों की संयुक्त टीमें लगातार सर्चिंग कर रही हैं। जंगलों में छिपाकर रखी गई विस्फोटक सामग्री की बरामदगी से सुरक्षा बलों को संभावित माओवादी गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई में मदद मिली है।

तीन जगह कार्रवाई, क्या-क्या मिला

ताड़पाल: 105 बीजीएल राउंड कंपोनेंट्स, 1 बीजीएल नोज, 2 लोहे के पाइप, एल्युमिनियम पतीला और लेथ मशीन हैंडल।

इंडरीपाल: 2 ग्रेनेड और 5 तीर बम। इन्हें बीडीएस टीम ने मौके पर नष्ट किया।

संक्षिप्त समाचार

पड़ोसी के घर से 33 हजार रुपये चोरी, 19 वर्षीय युवक और नाबालिग गिरफ्तार

बिलासपुर। रतनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मदनपुर में पड़ोसी के घर में घुसकर गुल्लक से 33 हजार रुपये चोरी करने के मामले में पुलिस ने कुछ ही घंटे में एक आरोपी और उसके नाबालिग साथी को पकड़ लिया। आरोपियों ने चोरी की रकम से मोबाइल फोन खरीदे थे, जिन्हें पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम मदनपुर निवासी नीलम श्यामले ने 8 सितंबर को रतनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 6 से 10 अगस्त के बीच वह घर पर नहीं थीं। इसी दौरान किसी ने घर का दरवाजा धक्का देकर खोला और अंदर रखी गुल्लक चोरी कर ली। गुल्लक में करीब 30 हजार रुपये रखे थे। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद थाना प्रभारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। पुलिस टीम ने मुखबिरों को सक्रिय कर संदिग्धों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान प्रार्थिया के घर के पास रहने वाले दो लोगों पर संदेह हुआ। पुलिस ने गौरव श्यामले (19), निवासी मदनपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में गौरव ने एक नाबालिग साथी के साथ मिलकर घर से गुल्लक चोरी करना स्वीकार किया। दोनों ने गुल्लक तोड़कर उसमें रखे 33 हजार रुपये आपस में बांट लिए थे। चोरी की रकम से मोबाइल फोन खरीदने के साथ कुछ रकम खर्च भी कर दी थी। पुलिस ने आरोपी गौरव और नाबालिग से चोरी की रकम से खरीदे गए दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। आरोपी गौरव और नाबालिग को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। मामले में पुलिस की त्वरित कार्रवाई से चोरी की वारदात का जल्द खुलासा हो गया।

भाभी से इश्क़ लड़ा रहे देवर ने 2 साल की भतीजी को जलते चूल्हे में बिठाया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में देवर-भाभी के प्रेम प्रसंग के बीच दो साल की मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। आरोप है कि विवाद के दौरान चाचा नितिन कुमार लोनिया ने अपनी दो साल की भतीजी को जलते लकड़ी के चूल्हे में बैठा दिया। गंभीर रूप से झुलसी बच्ची ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक नितिन का अपनी भाभी अंकिता के साथ प्रेम प्रसंग था। 26 अगस्त को अंकिता अपनी दो साल की बेटी को लेकर नितिन के साथ घर से चली गई थी। परिजनों की शिकायत पर कोनी पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू की। 7 सितंबर को नितिन, अंकिता और बच्ची वापस घुटकू लौटे। इसके अगले दिन 8 सितंबर को नितिन का अपने बड़े भाई सुधीर से विवाद हुआ। बाद में भाभी से भी उसका विवाद हो गया। इसी दौरान नितिन ने कथित तौर पर बच्ची को जलते चूल्हे में बैठा दिया। बच्ची गंभीर रूप से झुलस गई। मारपीट की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम करने के बाद हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी नितिन कुमार लोनिया को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

माय भारत युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

बिलासपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माय भारत) बिलासपुर द्वारा क्षेत्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र, सरकंडा में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों का 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के समापन समारोह में जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए युवाओं की ऊर्जा एवं क्षमता का सकारात्मक दिशा में उपयोग कर समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण में बिलासपुर, मुंगेली, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, कोरबा, कोरिया एवं एमसीबी जिले के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास, टीम भावना, सकारात्मक सोच, सामाजिक जिम्मेदारी तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका की भावना विकसित करना रहा। छह दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान योग, माइंड मैनेजमेंट, एटीट्यूड मैनेजमेंट, व्यक्तित्व विकास, पंचायती राज, युवा मंडल, नशामुक्ति, सामाजिक जागरूकता, माय भारत की भूमिका, बॉडी लैंग्वेज, सामुदायिक सहभागिता एवं एआई टूल्स के उपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों एवं रिसोर्स पर्सन्स द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। फील्ड विजिट, सामुदायिक गतिविधियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वयंसेवकों को व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र की आयुक्त श्रीमती अर्चना शुक्ला, माय भारत बिलासपुर के उप निदेशक नितिन शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समापन अवसर पर राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इसके पश्चात प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

रमेश चंद्र महापात्र ने संभाला एसईसीएल में निदेशक (तकनीकी-संचालन) का पदभार

बिलासपुर। श्री रमेश चंद्र महापात्र ने साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में निदेशक (तकनीकी-संचालन) का पदभार संभाल लिया है। उन्हें निदेशक (तकनीकी)-परियोजना एवं योजना का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। पदभार ग्रहण करने के अवसर पर एसईसीएल के विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री महापात्र को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पदभार संभालने के बाद उन्होंने विभागाध्यक्षों एवं क्षेत्रीय महाप्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कंपनी की प्रमुख परिचालन प्राथमिकताओं, उत्पादन संबंधी गतिविधियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई। खनन क्षेत्र में तीन दशक से अधिक का अनुभव- श्री रमेश चंद्र महापात्र को खनन क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। एसईसीएल में निदेशक (तकनीकी) का पदभार संभालने से पूर्व वे ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के झांझरा क्षेत्र में महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। खनन संचालन, परियोजना प्रबंधन और रणनीतिक नेतृत्व के क्षेत्र में उन्हें व्यापक अनुभव प्राप्त है। आईआईटी-बीएचयू के पूर्व छात्र श्री महापात्र ने वर्ष 1990 में खनन अभियांत्रिकी में डिग्री हासिल की। उन्होंने मानव संसाधन प्रबंधन में एमबीए भी किया है तथा वे इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के फेलो हैं। एसईसीएल से शुरू हुआ करियर- श्री महापात्र ने अपने करियर की शुरुआत एसईसीएल के कोरबा क्षेत्र स्थित सूराकछार कोलियरी से की। अपने लंबे करियर के दौरान उन्होंने कोलियरी प्रबंधक, परियोजना अधिकारी, अतिरिक्त महाप्रबंधक और महाप्रबंधक सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारियां निभाईं। उन्होंने कोल इंडिया की कई बड़ी भूमिगत एवं खुली खदान परियोजनाओं का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया है। उत्पादन वृद्धि, आधुनिक खनन तकनीकों को अपनाने, भूमि एवं पुनर्वास से जुड़े जटिल मामलों के समाधान तथा स्थानीय समुदायों के साथ मजबूत समन्वय स्थापित करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय कोयला क्षेत्र का प्रतिनिधित्व- श्री महापात्र ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारतीय कोयला क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। इनमें केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित अफ्रीकन माइनिंग इंदाबा तथा चेक गणराज्य में औद्योगिक सहयोग से जुड़ी वार्ताएं शामिल हैं। अपने व्यापक परिचालन अनुभव, तकनीकी समझ और नेतृत्व क्षमता के साथ श्री महापात्र की नई जिम्मेदारी से एसईसीएल के संचालन, उत्पादन, तकनीकी उन्नयन और परियोजना क्रियान्वयन को और गति मिलने की उम्मीद है। एसईसीएल परिवार ने श्री रमेश चंद्र महापात्र को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं तथा उनके सफल कार्यकाल की कामना की है।

अस्पताल में साप्ताहिक डायबिटीज क्लीनिक का शुभारंभ किया गया

बिलासपुर। जिला अस्पताल बिलासपुर में बच्चों एवं किशोरों में होने वाले टाइप-1 डायबिटीज के बेहतर प्रबंधन और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से साप्ताहिक टाइप-1 डायबिटीज क्लीनिक का शुभारंभ किया गया। क्लीनिक के माध्यम से टाइप-1 डायबिटीज से प्रभावित बच्चों को नियमित चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। क्लीनिक में बच्चों को बीमारी के बेहतर प्रबंधन के संबंध में मार्गदर्शन देने के साथ-साथ काउंसलिंग की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा जरूरतमंद बच्चों को नि:शुल्क इंसुलिन उपलब्ध कराया जाएगा। बच्चों के साथ उनके अभिभावकों को भी मधुमेह के बेहतर प्रबंधन, नियमित फॉलोअप और आवश्यक सावधानियों के संबंध में जानकारी दी जाएगी। विलियम जे. क्लिंटन फाउंडेशन एवं जिला चिकित्सालय बिलासपुर के तकनीकी सहयोग से यह क्लीनिक प्रत्येक बुधवार नियमित रूप से संचालित किया जाएगा। इससे टाइप-1 डायबिटीज से प्रभावित बच्चों को अपने नजदीक ही निरंतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। क्लीनिक के शुभारंभ अवसर पर सिविल सर्जन जिला अस्पताल, पेडियाट्रीशियन, प्रमुख चिकित्सक, अस्पताल सलाहकार, स्टाफ नर्स एवं काउंसलर सहित संबंधित स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत कोरबा की सामान्य सभा में विकास कार्यों की हुई समीक्षा बैठक

■ जर्जर सड़कों की शीघ्र मरम्मत और सड़क सुरक्षा के लिए गति अवरोधक व संकेतक लगाने के निर्देश

कोरबा। जिला पंचायत कोरबा के सभाकक्ष में बुधवार को जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह ने की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री प्रतीक जैन उपस्थित रहे। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान कृषि विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं जल संसाधन विभाग द्वारा संचालित कार्यों की जानकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान वर्षा ऋतु के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर एवं क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की स्थिति पर चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों की आवागमन सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऐसी सड़कों की शीघ्र मरम्मत एवं सुधार कराने की आवश्यकता बताई। इस पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए सड़कों की मरम्मत एवं सुधार कार्य प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में सड़क सुरक्षा के विषय पर भी चर्चा करते हुए दुर्घटनाओं की संभावना को कम करने के लिए आवश्यक स्थानों पर गति अवरोधक एवं सड़क संकेतक लगाने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिले के पेयजल अभावग्रस्त क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर भी चर्चा हुई। जनप्रतिनिधियों ने आवश्यकता वाले क्षेत्रों में बांगो डेम से पेयजल उपलब्ध कराने की बात रखी। इस संबंध में संबंधित विभागों को क्षेत्र की आवश्यकता, तकनीकी संभावनाओं एवं व्यवहारिक पहलुओं का परीक्षण करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागों के अंतर्गत संचालित योजनाओं, उपलब्धियों, कार्यों की प्रगति तथा हितग्राहियों को दिए जा रहे लाभों की जानकारी प्रस्तुत की गई। जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित आवश्यकताओं एवं ग्रामीणों की समस्याओं को बैठक में रखा गया।

'सूक्ष्म एवं लघु उद्योग' और 'मेक इन इंडिया पर एसईसीएल में विशेष सत्र

■ सीवीओ हिमांशु जैन ने नीतिगत प्रावधानों पर किया विस्तृत संवाद

बिलासपुर। एसईसीएल के तीन माह के सतर्कता जागरूकता अभियान 2026 के तहत एमडीआई, बिलासपुर में पब्लिक प्रोक्योरमेंट पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसमें सरकारी नीतियों और प्रक्रियाओं की समझ बढ़ाने के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता पर जोर दिया गया। एसईसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री हिमांशु जैन ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने विशेष रूप से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी और मेक इन इंडिया (एमआईआई) के प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही बताया कि प्रोक्योरमेंट के विभिन्न चरणों में इनका पालन कैसे किया जाए। सत्र में छोटे उद्यमों की भागीदारी बढ़ाने और देश में बने उत्पादों को प्रोत्साहन देने में इन नीतियों की भूमिका समझाई गई। प्रतिभागियों को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा, पारदर्शिता और संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के बारे में भी जानकारी दी गई। श्री जैन ने वास्तविक मामलों के उदाहरणों से प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया में होने वाली आम चूकों और जोखिमों को समझाया। उन्होंने हर चरण में जरूरी जांच-पड़ताल और सावधानी बरतने का महत्व बताया, ताकि प्रक्रियागत कमियों को समय रहते दूर किया जा सके। अंत में सवाल-जवाब का सत्र हुआ। प्रतिभागियों ने प्रोक्योरमेंट से जुड़ी व्यावहारिक समस्याएं रखीं और एमएसई व मेक इन इंडिया के प्रावधानों के इस्तेमाल पर अपनी शंकाओं का समाधान किया। यह कार्यक्रम एसईसीएल में प्रिवेंटिव विजिलेंस को बढ़ावा देने और प्रोक्योरमेंट व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष तथा प्रभावी बनाने के प्रयासों का हिस्सा है।

शहर की बदहाल सड़क और सफाई व्यवस्था पर कांग्रेस का प्रदर्शन

निगम प्रशासन पर लगाए भ्रष्टाचार का आरोप

कोरबा। शहर की बदहाल सड़कों और सफाई व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को नगर निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष मुकेश राठौर के नेतृत्व में कांग्रेस के पार्षद दल ने बुधवारी क्षेत्र का दौरा कर सड़क और सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने नगर निगम प्रशासन पर भ्रष्टाचार और लापरवाही के आरोप लगाए। मुकेश राठौर ने आरोप लगाया कि शहर की अधिकांश सड़कें खराब हो चुकी हैं और लोगों का चलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि करीब छह महीने पहले करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई डामर सड़कें अब उखड़ने लगी हैं। सड़क पर जगह-जगह बजरी निकल आई है और वाहनों के गुजरने से धूल उड़ रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। मुकेश राठौर ने आरोप लगाया कि नगर निगम के सफाई कर्मचारी वार्डों की नियमित सफाई करने के बजाय सड़कों से उखड़ी बजरी को झाड़ू से समेटकर गाड़ियों में भरने में लगाए जा रहे हैं। उन्होंने निगम की एक गाड़ी पर 'नगर पालिका परिषद' लिखे होने का मुद्दा भी उठाया और सवाल किया कि यदि वाहन नगर निगम का है तो उस पर नगर पालिका परिषद क्यों लिखा गया है। कांग्रेस ने मांग की कि सड़क से निकली बजरी को तत्काल गड्ढों में डालकर सड़क को समतल किया जाए, ताकि धूल की समस्या से लोगों को राहत मिल सके। वार्ड 26 मुड़ापार के पार्षद गोपाल कुर्रे ने आरोप लगाया कि छह महीने पहले महापौर द्वारा कराए गए डामरीकरण कार्य में बड़ा घोटाला हुआ है। उनका कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क इतनी जल्दी खराब हो गई। कुर्रे ने आरोप लगाया कि ठेकेदार की जवाबदेही तय करने के बजाय सफाई कर्मचारियों से ही सड़क पर पैचवर्क कराया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदार के बीच मिलीभगत का भी आरोप लगाया। राताखार पार्षद रवि चंदेल ने मंत्री रतन लाल देवांगन और महापौर पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री कुछ समय पहले इसी सड़क से गुजरे थे, लेकिन उन्हें सड़क की बदहाल स्थिति नजर नहीं आई। चंदेल ने कहा कि महापौर भी इसी रास्ते से आवागमन करते हैं।

16वीं अखिल भारतीय रेलवे तीरंदाजी चैंपियनशिप में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का शानदार प्रदर्शन किया

■ 2 स्वर्ण एवं 3 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में तीसरा स्थान

बिलासपुर। चित्तरंजन, पश्चिम बंगाल में 07 से 09 सितम्बर 2026 तक आयोजित 16वीं अखिल भारतीय रेलवे तीरंदाजी (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप 2026-27 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीरंदाजों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण एवं 3 कांस्य सहित कुल 5 पदक अपने नाम किए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 13 रेलवे जोन की पदक तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया। इस चैंपियनशिप में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की ओर से कुल 10 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 6 रिकर्व (3 पुरुष एवं 3 महिला) तथा 4 कंपाउंड (1 पुरुष एवं 3 महिला) तीरंदाज शामिल थे। महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में माधवी चौहान, मधु वेदवान एवं वितासा ठाकुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबला 5-3 सेट प्वाइंट से जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं मिश्रित रिकर्व टीम स्पर्धा में माधवी चौहान एवं पवन की जोड़ी ने भी फाइनल में 5-3 सेट प्वाइंट से जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने तीन कांस्य पदक भी हासिल किए। महिला व्यक्तिगत रिकर्व 70 मीटर ओवरऑल स्पर्धा में माधवी चौहान ने 640 अंक अर्जित कर कांस्य पदक जीता। महिला व्यक्तिगत ओलंपिक राउंड में वितासा ठाकुर ने 6-4 सेट प्वाइंट से जीत दर्ज कर कांस्य पदक प्राप्त किया। पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धा में पवन, जसकीरत सेखों एवं शिवनाथ नागेशिया की टीम ने कांस्य पदक मुकाबले में 6-0 से शानदार जीत दर्ज कर कांस्य पदक हासिल किया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीरंदाजों का यह प्रदर्शन रेलवे स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उनकी निरंतर उत्कृष्टता, मेहनत और खेल प्रतिभा को दर्शाता है। 2 स्वर्ण एवं 3 कांस्य पदकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त करना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। महाप्रबंधक, श्री तरुण प्रकाश, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्रीड़ा संघ (सेक्रसा) के पदाधिकारीगण एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों एवं उनके प्रशिक्षकों को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी राष्ट्रीय एवं अन्य उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अग्रिम शुभकामनाएं भी दी हैं।

दुकान, गाड़ी, घर के सामने क्यों टांगते हैं नींबू-मिर्च?

अक्सर लोग अपने घर और दुकान को बुरी नजर से बचाने के लिए तमाम तरह के उपाय आजमाते हैं। वास्तु से लेकर ज्योतिष तक में कई उपाय बताए गए हैं, जिन्हें अपनाने से नजर दोष से बचाव होता है। इन्हीं में से एक है घर, दुकान या गाड़ी के मुख्य द्वार पर नींबू-मिर्च टांगना। आपने भी कई घरों, दुकानों और वाहनों पर नींबू-मिर्च लटके हुए देखे होंगे। इसे लेकर लोगों के बीच अलग-अलग मान्यताएं हैं।अक्सर लोग नींबू-मिर्च टांगने की परंपरा को अंधविश्वास से जोड़ते हैं। हालांकि, इसके पीछे धार्मिक मान्यता के साथ-साथ कुछ वैज्ञानिक कारण भी बताए जाते हैं। माना जाता है कि नींबू और मिर्च का इस्तेमाल पुराने समय से ही बुरी नजर से बचाव के साथ-साथ कीट-पतंगों को दूर रखने के लिए किया जाता रहा है।

नींबू-मिर्च टांगने के वैज्ञानिक कारण

कीट-पतंगों से बचाव :- नींबू की खट्टी महक और मिर्च, जिसमें कैप्साइसिन होता है, की तीखी गंध से मक्खी, मच्छर और छोटे कीड़े-मकोड़े दूर रहते हैं। इसी वजह से इसे घर, दुकान या गाड़ी के आसपास कीट-पतंगों को दूर रखने के एक प्राकृतिक उपाय के तौर पर देखा जाता है।

हवा की शुद्धि :-
जब नींबू और मिर्च को सूत के धागे में पिरोया जाता है, तो धागा नींबू का रस और अम्ल सोख लेता है। हवा के संपर्क में आने से इसकी हल्की खुशबू आसपास फैलती है। माना जाता है कि इससे आसपास का वातावरण शुद्ध रहता है।

प्राकृतिक कीटनाशक :-
पुराने समय में नींबू-मिर्च को एक प्राकृतिक उपाय के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था, ताकि जहरीले या रेंगने वाले जीव घर या दुकान के अंदर न आएं। ऐसे में इसे पूरी तरह सिर्फ अंधविश्वास से जोड़कर नहीं देखा जाता, बल्कि इसके पीछे व्यावहारिक कारण भी बताए जाते हैं।

नींबू-मिर्च को लेकर क्या हैं धार्मिक मान्यताएं?

नजर दोष से रक्षा :-मान्यता के अनुसार, नींबू-मिर्च बुरी नजर या नकारात्मक ऊर्जा से बचाने का काम करती है। ऐसा माना जाता है कि किसी की ईर्ष्या या बुरी नजर का असर नींबू-मिर्च पर पड़ता है और इससे घर या दुकान सुरक्षित रहती है।

अलक्ष्मी का निवारण

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, माता लक्ष्मी की बहन अलक्ष्मी को दरिद्रता का प्रतीक माना जाता है। कहा जाता है कि उन्हें खट्टी, तीखी और चटपटी चीजें पसंद हैं। मान्यता है कि वह दरवाजे पर ही नींबू-मिर्च खाकर संतुष्ट हो जाती हैं और घर या दुकान के अंदर प्रवेश किए बिना ही वापस लौट जाती हैं।

नींबू मिर्च किस दिन बांधना चाहिए?

मान्यताओं के अनुसार, घर या दुकान के मुख्य द्वार पर नींबू-मिर्च टांगने के लिए शनिवार या मंगलवार का दिन सबसे शुभ माना जाता है। इन दोनों दिनों को नकारात्मक ऊर्जा और बुरी नजर से बचाव के लिए खास माना जाता है। कई लोग शुक्रवार को नींबू-मिर्च खरीदकर शनिवार की सुबह इसे मुख्य द्वार पर लटकाते हैं।

कितने नींबू और मिर्च लगानी चाहिए?

दुकान या घर के मुख्य द्वार पर नजर दोष से बचने के लिए एक नींबू और 5 या 7 हरी मिर्च लगाने की मान्यता है। सामान्य तौर पर एक नींबू के साथ पांच या सात मिर्च धागे में पिरोकर बांधी जाती हैं। मान्यता के अनुसार, पूरे घर में कुल 3, 7 या 13 लटकन एक साथ नहीं होनी चाहिए।

कितने दिन में बदलनी चाहिए नींबू-मिर्च?

नींबू-मिर्च सूख जाने पर इसे हर हफ्ते या 7 से 10 दिन के भीतर बदल देना चाहिए। मान्यता के अनुसार, पुराने नींबू-मिर्च को शनिवार या मंगलवार के दिन ही उतारकर किसी सुनसान जगह पर रख देना चाहिए।

मंदिर में सिर ढकने की परंपरा कहां से शुरू हुई?

भारतीय संस्कृति में मंदिर में प्रवेश करते समय कई परंपराओं का पालन किया जाता है। इनमें एक प्रमुख परंपरा सिर ढकने की भी है। कई मंदिरों में पुरुष और महिलाएं सिर पर कपड़ा, दुपट्टा या पगड़ी रखकर भगवान के दर्शन करते हैं। हालांकि, यह परंपरा हर मंदिर में अनिवार्य नहीं होती और अलग-अलग क्षेत्रों व संप्रदायों में इसके नियम अलग हो सकते हैं।

सम्मान और विनम्रता का प्रतीक

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंदिर को भगवान का पवित्र स्थान माना जाता है। सिर ढकना ईश्वर के प्रति सम्मान, विनम्रता और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। पुराने समय में सिर ढकने का संबंध शिष्टाचार और मर्यादा से भी रहा है। राजदरबार, धार्मिक स्थल और बुजुर्गों के सामने सिर ढकना सम्मान प्रकट करने का एक तरीका माना जाता था।

कब शुरू हुई यह परंपरा?

सिर ढकने की परंपरा को किसी एक व्यक्ति, स्थान या निश्चित समय से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। भारतीय उपमहाद्वीप में सिर ढकने की प्रथा लंबे समय से विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्कृतियों का हिस्सा रही है। हिंदू मंदिरों में भी अलग-अलग क्षेत्रों में इसके अलग रूप देखने को मिलते हैं। कुछ स्थानों पर सिर ढकना श्रद्धा का प्रतीक है, जबकि कुछ मंदिरों में इसका कोई विशेष नियम नहीं है।

मंदिर और धार्मिक परंपराओं में अंतर

भारत में धार्मिक परंपराएं क्षेत्र और संप्रदाय के अनुसार बदलती हैं। उदाहरण के लिए, कुछ मंदिरों में भक्तों से सिर ढकने की अपेक्षा की जाती है, जबकि कुछ जगह सिर खुला रखना भी सामान्य है। वहीं, सिख गुरुद्वारों में सिर ढकना धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण मर्यादा है। इसी तरह कई अन्य धर्मस्थलों में भी सिर ढकने की अपनी परंपराएं हैं।

इसका आध्यात्मिक अर्थ क्या है?

धार्मिक दृष्टि से सिर ढकने को अहंकार छोड़कर ईश्वर के सामने झुकने और मन को पूजा के लिए एकाग्र करने के भाव से जोड़ा जाता है। हालांकि, यह मुख्य रूप से आस्था और परंपरा का विषय है, इसे वैज्ञानिक रूप से अनिवार्य धार्मिक नियम नहीं माना जा सकता। इसलिए मंदिर में सिर ढकने की परंपरा का कोई एक निश्चित उद्गम बताना मुश्किल है। यह भारतीय समाज में विकसित हुई विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और शिष्टाचार संबंधी परंपराओं का मिश्रित रूप मानी जा सकती है।

बिजी लाइफस्टाइल से बढ़ रहा गंभीर बीमारियों का खतरा

चिकित्सा विशेषज्ञ बिजी लाइफस्टाइल को आजकल तेजी से बढ़ रही गंभीर बीमारियों का सबसे बड़ा और खतरनाक कारण मानते हैं। काम की आपाधापी के बीच स्वास्थ्य धीरे-धीरे हमारी प्राथमिकताओं की सूची से बाहर होता चला जाता है। विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि आधुनिक जीवनशैली ने हमें इतना व्यस्त कर दिया है कि हम अपने शरीर की मूलभूत आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं।

कभी समय पर खाना न खाना, उसकी जगह रेडी-टू-ईट जंक फूड से पेट भर लेना, तो कभी काम का बोझ खत्म करने के लिए नींद की बलि चढ़ा देना और व्यायाम को अनिश्चित काल के लिए टाल देना ये सब इसी व्यस्त जीवनशैली के दुष्परिणाम हैं। शुरुआत में ये छोटी-छोटी लापरवाहियाँ भले ही मामूली लगें, लेकिन देखते ही देखते ये हमारी जिंदगी का नया सामान्य बन जाती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस व्यस्त दिनचर्या को एक अदृश्य हत्यारा मान रहे हैं, जो बिना किसी शुरुआती लक्षण के शरीर को अंदर से खोखला कर रहा है। उनका कहना है कि दिक्कत समय की नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं की है। ज्यादातर लोगों के पास समय की कमी नहीं होती, बल्कि सही और व्यवस्थित आदतों की कमी होती है।

दिन में 10-15 मिनट टहलना, समय पर संतुलित भोजन करना और 7-8 घंटे की गहरी नींद लेना कोई बहुत बड़ा काम नहीं है, जिसके लिए बहुत अधिक समय या प्रयास की आवश्यकता हो। चूंकि इन छोटी आदतों का फायदा तुरंत दिखाई नहीं देता, इसलिए लोग इन्हें आसानी से टाल देते हैं। वहीं, ऑफिस का काम पूरा करने पर तुरंत परिणाम या सराहना मिलती है, जिससे हम अनजाने में अपनी सेहत से समझौता कर बैठते हैं। हमारा शरीर खराब जीवनशैली पर बहुत धीमी रफ्तार से प्रतिक्रिया देता है। रक्तचाप का धीरे-धीरे बढ़ना, रक्त शर्करा का अनियंत्रित होना और चयापचय (मेटाबॉलिज्म) का सुस्त पड़ना इनके शुरुआती दौर में कोई लक्षण नजर नहीं आते। जब तक बीमारियाँ सामने आती हैं, तब तक अंदर ही अंदर काफी नुकसान हो चुका होता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - दिन पारिवारिक जीवन के लिए अत्यंत शुभ है। परिवार में खुलकर संवाद करने से रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। मित्रों के साथ मिलकर किसी सामुदायिक कार्यक्रम की योजना भी बन सकती है। छोटी-छोटी बातों को लेकर मन में शिकायत न रखें, दिल की बातें साझा करने से घर का वातावरण खुशनुमा बनेगा। व्यापार में अच्छे लाभ की प्रबल संभावना है। डिजिटल माध्यमों के अलावा प्रत्यक्ष ग्राहकों से जुड़ने का प्रयास लाभदायक रहेगा।

वृषभ राशि - परिवार और सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आपकी बातचीत करने की कला घर के पुराने व उलझे मामलों को सुलझाने में कारगर साबित होगी। परिवार के सदस्य आपके हर फैसले में साथ देंगे। कार्यक्षेत्र में आपका संचार कौशल आपकी मजबूती बनेगा। मीटिंग या आधिकारिक बातचीत के दौरान आपकी बात असरदार रहेगी। व्यापारियों को नए संपर्कों से लाभ होगा। किसी भी दस्तावेज या समझौते पर हस्ताक्षर से पहले बारीकियों को जरूर जांच लें।

मिथुन राशि - कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। आपकी कार्यशैली से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगे, जिससे नई जिम्मेदारी मिल सकती है। पुराने संपर्कों और मित्रों के जरिए व्यापारियों को आर्थिक लाभ मिल सकता है। करियर के लिहाज से सुखद परिणाम मिलेंगे। पिछले प्रयासों में सफलता मिलने के योग हैं। छात्र पढ़ाई में धैर्य रखें। किसी नए कौशल या विद्या को सीखने की शुरुआत करने के लिए समय उत्तम है। सेहत सामान्य रहेगी, परंतु खान-पान में लापरवाही न बरतें।

कर्क राशि - पारिवारिक सुख-शांति के लिए दिन अच्छा है। परिजनों के पूरे सहयोग से मन में प्रसन्नता रहेगी। पुराने प्रयास का सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता है। परिवार के मामलों में अत्यधिक हस्तक्षेप से बचें। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी या पदोन्नति से जुड़ा शानदार अवसर मिल सकता है। व्यापार में लाभ के योग हैं और पुराने संपर्कों से फायदा होगा। काम के दबाव से भावनात्मक तनाव बढ़ सकता है, संतुलन बनाएं।

सिंह राशि - आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में वृद्धि से सामाजिक व पारिवारिक सम्मान बढ़ेगा। घर के सदस्य आपकी सलाह को विशेष महत्व देंगे और निर्णयों का सम्मान करेंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से प्रभावित होंगे और नेतृत्व से जुड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में नए प्रस्ताव आने पर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएं। दूसरों की आलोचना पर तुरंत प्रतिक्रिया न दें। पुरानी मेहनत का उत्तम परिणाम सामने आएगा।

कन्या राशि - पारिवारिक जीवन सुखद और शांतिपूर्ण रहेगा। घर में खुशियां बनी रहेंगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है, जिससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। व्यापारियों के लिए दिन लाभदायक रहेगा। नई रणनीतियों पर काम करने से अच्छा मुनाफा हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपनी लगन और मेहनत के स्पष्ट परिणाम देखने को मिलेंगे। करियर को नई दिशा और ऊंचाइयां मिलने के योग हैं।

तुला राशि- परिजनों के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी। वातावरण खुशनुमा रहेगा, लेकिन कार्यस्थल का तनाव घर पर न लाएं। किसी करीबी से पुराने विवाद को दोबारा उठाने से बचें। कार्यक्षेत्र में अत्यधिक व्यस्तता रहेगी। टीमवर्क के सहयोग से मेहनत रंग लाएगी। नई परियोजनाओं की जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में साझेदारी के निर्णय लेते समय दस्तावेजों की जांच अवश्य करें।

वृश्चिक राशि - पारिवारिक सुख-समृद्धि के लिए दिन शुभ है। घर में शांति रहेगी और किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने से प्रसन्नता बढ़ेगी। बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान दें। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। पुराने संपर्कों से व्यापार को गति मिलेगी। नौकरीपेशा जातकों को टीम वर्क का लाभ मिलेगा और लंबे समय से अटके काम पूरे होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों का ध्यान केंद्रित रहेगा। पुरानी गलतियों से सीखकर आगे बढ़ेंगे।

धनु राशि- पारिवारिक जीवन अनुकूल रहेगा। परिवार से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण विषय आपके पक्ष में सुलझ सकता है, जिससे घर में हर्षोल्लास रहेगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का भरपूर साथ मिलेगा। व्यापारियों को नए संपर्कों से अच्छा मुनाफा हो सकता है। नौकरी में अधिकारियों का विश्वास आप पर बढ़ेगा।

मकर राशि - पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने का दिन है। वरिष्ठ सदस्यों का मार्गदर्शन और सहयोग मिलेगा। व्यस्तता के बावजूद परिवार के लिए समय निकालने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन सराहनीय रहेगा। अधिकारी आपके काम से संतुष्ट रहेंगे और नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापारियों की पुरानी योजनाएं गति पकड़ेंगी।

कुंभ राशि- पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। घर में किसी धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है, जिससे सभी सदस्यों में आपसी मेलजोल और स्नेह बढ़ेगा। अपनी क्षमता और प्रतिभा साबित करने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारी आपकी कार्यकुशलता की सराहना करेंगे। व्यापार में विस्तार के नए मार्ग खुल सकते हैं।

मीन राशि- पारिवारिक माहौल प्रेमपूर्ण और आत्मीय रहेगा। परिजनों के साथ भावनात्मक लगाव गहरा होगा। किसी करीबी संबंधी से महत्वपूर्ण विषय पर सकारात्मक चर्चा हो सकती है। रचनात्मकता और कार्यकुशलता के बल पर आप कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा और पुरानी समस्याएं बातचीत से हल होंगी।

अरावली की पहाड़ी पर विराजते हैं बिना सूंड वाले गणेश

दूरबीन से दर्शन करते थे महाराजा

गणेशोत्सव भगवान गणेश को समर्पित प्रमुख हिंदू त्योहारों में से एक है। 2026 में गणेश चतुर्थी 14 सितंबर, सोमवार को मनाई जाएगी और इसी के साथ गणेशोत्सव की शुरुआत होगी। इस दौरान देशभर में घरों और सार्वजनिक पंडालों में गणपति की स्थापना की जाती है और भक्त विधि-विधान से उनकी पूजा करते हैं। भगवान गणेश को प्रथम पूज्य और विघ्नहर्ता माना जाता है, इसलिए गणेशोत्सव के दौरान उनकी आराधना का विशेष महत्व होता है।गणेशोत्सव के मौके पर भक्त भगवान गणेश के मंदिरों में जाकर उनके अलग-अलग स्वरूपों के दर्शन भी करते हैं। देशभर में गणपति के कई ऐसे मंदिर हैं, जो अपनी अनोखी मान्यताओं और खास स्वरूप के लिए प्रसिद्ध हैं। इसी कड़ी में आज हम आपको जयपुर के एक ऐसे प्राचीन मंदिर के बारे में बता रहे हैं, जहां भगवान गणेश वयस्क रूप में नहीं, बल्कि एक छोटे बालक के स्वरूप में विराजमान हैं और उनकी प्रतिमा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें सूंड नहीं है।

बिना सूंड के विराजमान हैं गणेश

जयपुर की अरावली पहाड़ियों की चोटी पर स्थित गढ़ गणेश मंदिर भगवान गणेश के दुर्लभ बाल स्वरूप के लिए प्रसिद्ध है। यहां गणेश जी की प्रतिमा को पुरुषाकृति यानी बाल रूप में पूजा जाता है। इस प्रतिमा में गणेश जी बिना सूंड के एक छोटे बच्चे के रूप में विराजमान हैं, जिसे बेहद दुर्लभ स्वरूप माना जाता है। यह मंदिर जयपुर के नाहरगढ़ और जयगढ़ किलों के आसपास की पहाड़ियों पर स्थित है। दूर से देखने पर ऐसा लगता है जैसे पहाड़ी की चोटी पर कोई मुकुट रखा हुआ हो। मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को करीब 365 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। इन सीढ़ियों को साल के 365 दिनों का प्रतीक भी माना जाता है।

जयपुर बसाने से पहले हुआ था मंदिर का निर्माण

गढ़ गणेश मंदिर का इतिहास जयपुर के संस्थापक महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि 18वीं शताब्दी में जयपुर शहर की स्थापना और उसकी बसावट से पहले महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था। मान्यता के अनुसार, जयपुर शहर की नींव रखने से पहले महाराजा ने अश्वमेध यज्ञ कराया था। इसी यज्ञ के दौरान भगवान गणेश के इस बाल स्वरूप की स्थापना की गई थी। मंदिर की स्थापना को लेकर यह भी कहा जाता है कि गणपति की पूजा के बाद ही जयपुर शहर की बसावट का कार्य आगे बढ़ाया गया।

दूरबीन से करते थे गणेश जी के दर्शन

गढ़ गणेश मंदिर से जुड़ी सबसे रोचक बात जयपुर के महाराजा और उनकी गणेश भक्ति से जुड़ी है। मान्यता है कि महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय ने मंदिर में गणेश जी की प्रतिमा को इस तरह स्थापित करवाया था कि वह सिटी पैलेस के चंद्र महल से सीधे दिखाई दे सके। कहा जाता है कि महाराजा अपने चंद्र महल से दूरबीन की मदद से हर सुबह गढ़ गणेश मंदिर में विराजमान गणपति के दर्शन करते थे। इस तरह राजमहल से मंदिर का यह सीधा संबंध गढ़ गणेश मंदिर को और खास बनाता है।

पहाड़ी से दिखता है पूरे शहर का नजारा

अरावली की पहाड़ी की चोटी पर स्थित होने की वजह से गढ़ गणेश मंदिर से जयपुर शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को सीढ़ियों का रास्ता तय करना पड़ता है, लेकिन ऊपर पहुंचने के बाद यहां से गुलाबी शहर का विस्तृत दृश्य देखने को मिलता है। बताया जाता है कि मंदिर की पूजा और प्रबंधन की जिम्मेदारी स्थापना के समय से ही 'औध्व्य' परिवार को सौंपी गई थी, जो आज भी इस परंपरा को निभा रहा है। मंदिर में सामान्य दिनों में सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक दर्शन किए जा सकते हैं। विशेष अवसरों पर दर्शन के समय में बदलाव हो सकता है।

व्यापक उद्योग और तकनीकी के विश्लेषणात्मक व समस्या-समाधान

एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (एमआईटी-डब्ल्यूपीयू), पुणे में साल 2026 का प्लेसमेंट सीजन बेहद सफल रहा। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक माहौल और छात्रों की प्रतिभा पर उद्योगों के भरोसे को दर्शाते हुए इस बार रिकॉर्ड 750 प्रमुख कंपनियों ने कैंपस प्लेसमेंट में हिस्सा लिया। इस सीजन के दौरान आईटी (IT), कोर इंजीनियरिंग, कंसल्टिंग, एनालिटिक्स, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोटिव, एनर्जी, एफएमसीजी (FMCG) और बीएफएसआई (BFSI) जैसे विभिन्न क्षेत्रों में 2500 से अधिक छात्रों का चयन किया गया है। यह शानदार आंकड़े प्रमुख नियोक्ताओं के लिए पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के उभरते कद को रेखांकित करते हैं। पिछले कुछ वर्षों के रुझान को देखें तो कैंपस का दौरा करने वाली कंपनियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। यह विश्वविद्यालय की व्यापक उद्योग पहुंच और तकनीकी, विश्लेषणात्मक व समस्या-समाधान आकलनों में छात्रों के बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाता है। दिग्गज संगठनों ने प्लेसमेंट प्रक्रिया की शुरुआत में ही छात्रों के साथ जुड़कर उनकी पेशेवर परिपक्वता और तैयारियों पर गहरा विश्वास जताया। इस प्लेसमेंट सीजन में भाग लेने वाले प्रमुख नियोक्ताओं में अमेजन, एनवीडिया (Nvidia), शेवरॉन इंजीनियरिंग, जेपी मॉर्गन, जॉनसन एंड जॉनसन, मॉर्गन स्टेनली, आईबीएम, ओरेकल, कमिंस, पैकार (PACCAR), बेकर ह्यूजेस, मैरियट इंटरनेशनल, कॉग्निजेंट, बीएनवाई मेलन, इनट्यूट (Intuit), इमर्सन, आईक्यूवीआईए (IQVIA), प्रिंसिपल ग्लोबल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, नॉर्दर्न ट्रस्ट, इलेक्ट्रॉनिक आर्ट्स, मर्सक (Maersk), एक्सेंचर, बार्कलेज, बर्जर पेंट्स, ब्रिटानिया, कैपजेमिनी, डेलॉयट, डॉयचे बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, फेडरल बैंक, हैवेल्स इंडिया, ईवाई (EY), पर्सिस्टेंट सिस्टम्स, इंफोसिस, केपीआईटी (KPIT), फिलिप्स, गोडैडी, केपीएमजी (KPMG), महिंद्रा एंड महिंद्रा, पॉलिसीबाजार, पोर्टर, सोनी इंडिया, टीसीएस, टाटा मोटर्स, विप्रो, जेडएस एसोसिएट्स सहित कई अन्य प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल रहीं। कंपनियों की यह विविधता और पैमाना विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में एमआईटी-डब्ल्यूपीयू की मजबूत प्रासंगिकता को साबित करता है।

किडनी को स्वस्थ रखने योग को बनाए दिनचर्या का हिस्सा

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार, पर्याप्त पानी, नियमित शारीरिक गतिविधि और स्वस्थ जीवनशैली जरूरी है। किडनी शरीर के महत्वपूर्ण अंग हैं, जो रक्त को फिल्टर करने और शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाते हैं। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए योग को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है। कुछ योगाभ्यास शरीर की सक्रियता और आंतरिक अंगों के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी माने जाते हैं।

उत्तानपादासन में पैरों को ऊपर उठाकर अभ्यास किया जाता है। इससे पेट और शरीर के निचले हिस्से की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं। नियमित योगाभ्यास शरीर में रक्त संचार बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकता है। हालांकि, यह किसी मुर्दे की बीमारी का सीधा उपचार नहीं है। सेतुबंधासन में पीठ के बल लेटकर कमर को ऊपर उठाया जाता है। यह पेट और शरीर के निचले हिस्से की मांसपेशियों को सक्रिय करने के साथ रक्त संचार और शारीरिक संतुलन के लिए उपयोगी माना जाता है। नियमित अभ्यास तनाव कम करने और शरीर का लचीलापन बढ़ाने में भी मदद कर सकता है।

सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक संघों के पदाधिकारियों ने यूसीसी को लेकर दिए सुझाव

राज्य में समान नागरिक संहिता के संबंध में समूह चर्चा एवं परिचयात्मक बैठक संपन्न

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को व्यवहारिक, समावेशी और जनोपयोगी बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा गठित यूसीसी समिति ने जनपरामर्श और विचार-विमर्श शुरूआत कर दी गई है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एमके राउत की अध्यक्षता में राज्य में समान नागरिक संहिता समिति की समूह चर्चा एवं परिचयात्मक बैठक जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में पारम्परिक-सामाजिक मान्यताओं को लेकर आधुनिक-वैधानिक सुधारों तक के कई अहम पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। यूसीसी समिति के सदस्यों ने अवगत कराया कि सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक संघों के पदाधिकारियों के सुझाव के आधार पर ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। विधिक सलाहकार प्रांजल वर्मा एवं अक्षत अग्रवाल ने पावर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समान नागरिक संहिता क्या है, उसके संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने समिति की

वेबसाईट https://ucc.cgstate.gov.in/: एवं ई-मेल uco-chhattisgarh@cg.gov.in भी साझा किया। समिति द्वारा इसके माध्यम से भी सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। बैठक में अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय सहित कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। उक्त बैठक में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एमके राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार, सेवानिवृत्त प्राचार्या डॉ. ज्योति रानी सिंह के समक्ष विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, भरण-पोषण और लिव-इन संबंध जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक संघों के पदाधिकारियों ने खुल कर अपने सुझाव दिए। बैठक में संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर जितेन्द्र यादव, सीईओ जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ में यूसीसी के पक्ष एवं विपक्ष में सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक संघों के पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसमें उपाध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक भरत वर्मा, पूर्व विधायक विनोद खाण्डेकर, अध्यक्ष बौद्ध समाज डॉ. मुन्ना लाल नन्देश्वर, जैन समाज से नरेन्द्र भोथरा, युवा कांग्रेस कमेटी मानपुर के अध्यक्ष एवं आदिवासी समाज के बालचंद कुरैशी, अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज मोहला गोविंद शाह वालको, अध्यक्ष बौद्ध समाज ललित कोसारे, अध्यक्ष आदिवासी गोंड समाज छुरिया चंद्र शेखर मंडलोई छुरिया, अधिवक्ता शारदा तिवारी, जिला अध्यक्ष शिवसेना पार्टी अंबागढ़ चौकी से शोभा शंकर, क्रिश्चयन समाज खैरागढ़ से पॉल जोन सहित विभिन्न सामाजिक पदाधिकारीगण शामिल हुए।

42 एमएलडी फिल्टर प्लांट का महापौर ने किया औचक निरीक्षण, पेयजल व्यवस्था शीघ्र सामान्य करने के निर्देश

त्योहारी सीजन से पहले पेयजल आपूर्ति दुरुस्त करने महापौर ने दिए सख्त निर्देश

दुर्ग। शहर के विभिन्न वार्डों में पेयजल आपूर्ति को लेकर लगातार प्राप्त हो रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए महापौर अलका बाघमार ने 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन,रंजीता पाटिल, भवन अधिकारी प्रकाश चंद थवानी, राजेन्द्र ढबाले एवं विनोद मांझी के साथ फिल्टर प्लांट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने फिल्टर प्लांट में आई खराबी तथा उससे प्रभावित हो रही पेयजल व्यवस्था की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए पेयजल आपूर्ति को जल्द से जल्द सामान्य करने के लिए आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर के विभिन्न वार्डों से

लगातार पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट में आई तकनीकी खराबी को तत्काल दुरुस्त कर पेयजल व्यवस्था को शीघ्र सामान्य किया जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को पुराने मोटर पंपों की स्थिति का परीक्षण कर उनकी जगह नए मोटर पंप लगाए जाने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। महापौर ने कहा कि नागरिकों को नियमित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। आगामी त्योहारों को देखते हुए पेयजल व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा आवश्यक सुधार कार्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाए।

सुकुलदैहान-मोहारा रोड की मरम्मत शुरू, पेचवर्क भी किया जा रहा, मिलेगी राहत

कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देश के बाद तत्काल मरम्मत कार्य शुरू हुआ

राजनांदगांव। जिले में सड़कों की स्थिति में सुधार लाने तथा सुगम एवं सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देश पर मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम सुकुलदैहान-मोहारा मार्ग में सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों का आवश्यक कार्य किया गया। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को जिले के प्रमुख मार्गों सहित ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों का सतत निरीक्षण करने तथा जहां कहीं सड़क क्षतिग्रस्त है, वहां प्राथमिकता के साथ मरम्मत एवं पेचवर्क कराने के निर्देश दिए हैं।

इसके तहत सड़कों पर बने गड्ढों एवं क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर सड़क को आवागमन के लिए बेहतर

बनाया जा रहा है।

ग्राम सुकुलदैहान-मोहारा मार्ग क्षेत्र के ग्रामीणों एवं आम नागरिकों के लिए आवागमन का महत्वपूर्ण मार्ग है। सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत होने से इस मार्ग पर आवागमन करने वाले ग्रामीणों, किसानों एवं अन्य वाहन चालकों को सुविधा मिलेगी। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सड़क मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा आवश्यकतानुसार क्षतिग्रस्त सड़कों का चिन्हांकन कर समयबद्ध तरीके से पेचवर्क एवं मरम्मत कार्य पूर्ण कराए जाएं। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों को बेहतर सड़क एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

पीओपी की मूर्तियों पर बैन, निगम की टीम कर रही निगरानी, सीधे होगी कार्रवाई

निगम आयुक्त जीआर मरकाम ने टीम गठित की, मूर्तिकारों को भी दे रहे समझाइश

राजनांदगांव। गणेश पर्व को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। वहीं नगर निगम प्रशासन भी सक्रिय हो हो गया है। आयुक्त जीआर मरकाम ने एक टीम भी गठित कर दी है, जो निगरानी रख रही है ताकि प्रतिबंधित प्लास्ट ऑफ पेरिस की मूर्तियों का निर्माण न किया जाए। ऐसे पाए जाने पर सीधे कार्रवाई करने का निर्देश जारी किया गया है। आयुक्त श्री मरकाम ने बताया कि प्लास्टर आफ पेरिस से निर्मित मूर्तिया प्रतिबंधित होने पर आगामी गणेश पर्व के लिए निर्मित प्रतिमाओं के निरीक्षण के लिए दल का गठन किया गया है। गठित दल मूर्ति निर्माण एवं विक्रय स्थल का नियमित जांच कर प्रतिबंधित समाग्री से बने मूर्तियों के विक्रय एवं विनिर्माण पर दण्डात्मक कार्रवाईकरते हुए प्रतिबंध लगाना

सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि प्लास्टर आफ पेरिस पानी में घुलता नहीं है और उससे नदी एवं तालाब का पानी के अलावा वतावरण प्रदुषित होता है। उसे ध्यान में रखते हुए मिट्टी से ही गणेश प्रतिमा का निर्माण करना है। आयुक्त ने स्वयं गत माह गणेश प्रतिमा निर्माण स्थल का निरीक्षण कर मूर्तिकारों से जानकारी लेकर निर्देशित किये थे कि बड़ी-छोटी किसी भी प्रकार की प्रतिमा में प्लास्टर ऑफ पेरिस का उपयोग न करें, उपयोग करते पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। गठित टीम गणेश प्रतिमा निर्माण स्थल का निरीक्षण कर मूर्तिकारों से जानकारी लेकर उन्हें समझाईश दी। उन्होंने कहा कि पीओपी की प्रतिमा निर्माण एवं विक्रय दोनों प्रतिबंधित है, निर्माण या विक्रय करते पाये जाने पर सीधे कार्रवाई की जाएगी।

भाजयुमो में भव्य देवांगन को मिली मंत्री की जिम्मेदारी

राजनांदगांव। युवा कार्यकर्ता भव्य देवांगन को शहर भाजयुमो के उत्तर मंडल में मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला भाजपाध्यक्ष कोमल

सिंह राजपूत, भाजयुमो अध्यक्ष चिंटू सोनकर और मंडल अध्यक्ष सुमित भाटिया के अनुमोदन उपरांत मोर्चा के मंडल अध्यक्ष आदित्य पराते द्वारा एक दिन पहले जारी सूची में शामिल सात मंत्रियों में एक नाम भव्य देवांगन का भी है। उनके पास छात्र युवा मंच के शहर अध्यक्ष के साथ ही हिंदू जागरण मंच में राजनांदगांव खंड के युवा आयाम प्रमुख का भी दायित्व है। उनकी नई जिम्मेदारी से नगर देवांगन समाज के साथ ही साथियों में भी हर्ष है।

नाबालिक से रेप, गर्भवती हुई तो बचने के लिए रचाई शादी, आरोपी हुआ गिरफ्तार

राजनांदगांव। शहर में नाबालिक से अनाचार करने का मामला सामने आया है, घटना के बाद पीड़िता गर्भवती हो गई, बचने के उद्देश्य से आरोपी के द्वारा उससे विवाह करने की बात सामने आ रही है। लेकिन मामले की शिकायत पुलिस तक पहुंची और तत्काल ही बसंतपुर पुलिस ने इस प्रकरण में एक्शन लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ धारा 65(1), 87 भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 4 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 9 सितंबर को थाना बसंतपुर में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज की गई। होकर चौखड़िया पारा निवासी आरोपी करण यादव द्वारा यह जानते हुए कि पीड़िता नाबालिग है, उसके साथ कथित रूप से जबरदस्ती शारीरिक संबंध स्थापित किया। घटना के बाद पीड़िता के गर्भवती होने की जानकारी सामने आई. थाना प्रभारी निरीक्षक कौशलेश देवांगन के नेतृत्व में विशेष पुलिस

टीम गठित की गई। टीम द्वारा आरोपी के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी गई। पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई कर महज 03 घंटे के भीतर आरोपी करण यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा घटना के संबंध में अपराध स्वीकार किए जाने की बात सामने आई। विवेचना में आरोपी का कृत्य प्रथम दृष्टया अपराध की धाराओं के अंतर्गत पा जाने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नाबालिग बालिकाओं एवं महिलाओं के विरुद्ध अपराधों को लेकर बसंतपुर पुलिस द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी है।

अमलेश्वर बनेगा नया पंजीयन उप-जिला, 1 दिसंबर 2026 से होगा प्रभावी, 21 गांव को मिलेगी सुविधा

पाटन। दुर्ग जिले के पाटन तहसील क्षेत्र के लिए बड़ी प्रशासनिक सौगात सामने आई है। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार अमलेश्वर को पंजीयन उप-जिला बनाया गया है। इसके साथ ही अमलेश्वर में उप-पंजीयक कार्यालय स्थापित किया जाएगा, जो 1 दिसंबर 2026 से प्रभावशील होगा। राजपत्र में जारी अधिसूचना के अनुसार राज्य सरकार ने पंजीयन अधिनियम, 1908 की धारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुर्ग जिले की पाटन तहसील में पंजीयन उप-जिला अमलेश्वर का गठन किया है। इस उप-जिले के अंतर्गत पाटन उप-जिले में शामिल कुछ ग्रामों को शामिल किया गया है। अधिसूचना में कुल 21 ग्रामों को प्रस्तावित नवीन उप-पंजीयक कार्यालय अमलेश्वर के अंतर्गत शामिल किया गया है। इनमें पाहंदा ,(अ), घुघवा, जमराव, महुदा, कोपेडीह, उफरा, कापसी,

संकरा, मोतीपुर, बटंग, खमहरिया, कुरूदडीह, अमलीडीह, ओरी, भाठागांव, औंधी, नारथी, अमलेश्वर, मगरघटा, भेथली और खुड़मुड़ा शामिल हैं। राज्य शासन ने अमलेश्वर में कार्यालय स्थापित करने का निर्णय लेते हुए स्पष्ट किया है कि उप-पंजीयक कार्यालय अमलेश्वर की स्थापना एवं उप-जिले का गठन 01-12-2026 से प्रभावशील होगा।

स्थानीय लोगों को मिलेगा बड़ा लाभ-अमलेश्वर में उप-पंजीयक कार्यालय शुरू होने से क्षेत्र के नागरिकों को जमीन-जायदाद की रजिस्ट्री एवं पंजीयन संबंधी कार्यों के लिए दूर स्थित कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर पंजीयन कार्यालय उपलब्ध होने से समय और आवागमन दोनों की बचत होगी। राजपत्र अधिसूचना क्रमांक ESTB/27274/2026-REGIS-TRATION, दिनांक 5 सितंबर 2026 को जारी की गई है। अधिसूचना छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से जारी हुई है।

संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर निकली 'समरसता संकल्प अभियान यात्रा

पाटन। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर सामाजिक समरसता, समानता और सामाजिक एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से समरसता संकल्प अभियान यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा बुधवार, 09 सितंबर 2026 को निर्धारित मार्ग से होकर निकली। यात्रा का शुभारंभ ढौर से सुबह 10 बजे हुआ। इसके पश्चात यात्रा मटंग 11:30 बजे, डिघारी 12:30 बजे, पाटन 1:15 बजे, सांकरा 2:15 बजे, कुम्हारी 3 बजे पहुंची तथा बंटग में यात्रा का समापन हुआ। यात्रा के माध्यम से संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के समरसता, समानता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों एवं समरसता के विचारों से जुड़े सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में यात्रा में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। समरस समाज – समान अधिकार – सशक्त विकास के संकल्प के साथ यह अभियान सामाजिक एकता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष सरपंच रवि सिंगौर, पन्ना बंजारे, मोहन लोधी, सरपंच मुन्ना तुरकाने, धनंजय तुरकाने, बूथ अध्यक्ष छोटू यादव, बूथ अध्यक्ष संजय सिंगौर, पंच महेंद्र पारधी, पंच शुभम जांगड़े, पंच तुलेश सिंगौर, बलराम तुरकाने, तिहारू बघेल सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी जन उपस्थित रहे।

महापौर कार्यालय में ब्लॉक अध्यक्ष श्रीकांत वर्मा और वरिष्ठ पार्षद संतोष तिवारी का जन्मदिन भी मनाया गया

महापौर निर्मल कोसरे को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बने छत्तीसगढ़ कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष

भिलाईनगर। छत्तीसगढ़ की राजनीति में कांग्रेस संगठन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने महापौर निर्मल कोसरे को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। कांग्रेस अध्यक्ष की स्वीकृति के बाद AICC के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने 8 सितंबर 2026 को नियुक्ति संबंधी आधिकारिक आदेश जारी किया। नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। AICC द्वारा जारी आदेश में छत्तीसगढ़ के लिए निर्मल कोसरे तथा झारखंड के लिए प्रशांत किशोर को प्रदेश अनुसूचित जाति विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। निर्मल कोसरे को प्रदेश स्तर की यह नई जिम्मेदारी मिलने

के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष के रूप में निर्मल कोसरे के सामने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। अनुसूचित जाति समाज के बीच कांग्रेस संगठन की सक्रियता बढ़ाने, कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और विभाग की गतिविधियों को प्रदेशभर में विस्तार देने की दिशा में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्मल कोसरे को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में अनुसूचित जाति विभाग को नई मजबूती मिलेगी और संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा। इधर, महापौर कार्यालय में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष श्रीकांत वर्मा एवं वरिष्ठ पार्षद संतोष तिवारी का जन्मदिन भी उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के स्थानीय पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने दोनों को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। महापौर कार्यालय में आयोजित इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने दोनों के स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की कामना की। इस दौरान आपसी मेल-जोल और सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। महापौर निर्मल कोसरे को प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग का अध्यक्ष बनाए जाने और महापौर कार्यालय में ब्लॉक अध्यक्ष श्रीकांत वर्मा एवं वरिष्ठ पार्षद संतोष तिवारी का जन्मदिन मनाए जाने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए दिन खास रहा। कार्यकर्ताओं ने कहा कि निर्मल कोसरे को प्रदेश स्तर पर नई जिम्मेदारी मिलना संगठन के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वहीं, जन्मदिन समारोह ने कार्यकर्ताओं के बीच आपसी जुड़ाव और संगठनात्मक एकजुटता को और मजबूत किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महापौर निर्मल कोसरे को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जाति विभाग संगठन को नई दिशा और मजबूती प्रदान करेगा। साथ ही श्रीकांत वर्मा एवं संतोष तिवारी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कब्रपारा चौक में 9.88 लाख की लागत से बनेगी सीसी रोड, महापौर ने किया भूमिपूजन

पक्की सड़क से मिलेगी कब्र पारा चौक के क्षेत्रवासियों को राहत

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 37 कब्रपारा चौक में गुलाब निर्मलकर की दुकान से श्यामू यादव के घर तक लंबे समय से चली आ रही उबड़-खाबड़ कच्ची सड़क की समस्या का जल्द समाधान होगा। नगर निगम द्वारा 9.88 लाख रुपए की लागत से सीमेंट-कांक्रीट (सीसी) सड़क निर्माण कराया जाएगा। गुरुवार को महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर एवं पार्षद व एमआईसी सदस्य शिव नायक की उपस्थिति में सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। क्षेत्रवासियों द्वारा लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी। कच्ची एवं जर्जर सड़क के कारण बारिश के दिनों के

साथ ही सामान्य दिनों में भी नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता था। नागरिकों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम द्वारा सड़क निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को सड़क निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मापदंडों के अनुरूप समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।भूमिपूजन के अवसर पर पार्षद रंजीता पाटिल, मनीष कोठारी, सहायक अभियंता सुरेश केवलानी, विकास दमाहे सहित वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com